CMYK

दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चूरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 11 अंक : 106 | जयपुर, गुरूवार 06 मई, 2026 | RNI.No.RAJHIN/2016/70162

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज रात बंबोरी में ग्रामीणों के साथ जाजम पर बैठकर करेंगे संवाद

प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी रहेंगे मौजूद

बड़ी सादड़ी इलाके में बंबोरी गांव में मुख्यमंत्री शर्मा का ग्राम विकास रथ और रात्रि चौपाल का कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जयपुर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता के बीच निरंतर गहरा और मजबूत संपर्क बना रहे इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपनी ओर से कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहे एक तरफ उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों, जिला कलेक्टरों को लगातार जनता के बीच जाकर जनता से सीधा संवाद करके उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए सख्त निर्देश दिए हुए हैं तो दूसरी तरफ उन्होंने अपनी सरकार के मंत्रियों और पार्टी के विधायकों को भी लगातार अपने-अपने क्षेत्र में फील्ड में जाकर लोगों से बातचीत करके उनकी समस्याओं को जानकर उनके निराकरण के लिए पूरी तरह से अलर्ट मोड पर रहने को कहा है इसी का परिणाम है कि एक तरफ जहां प्रदेश में जिला कलेक्टर रात्रि चौपाल का आयोजन करके लोगों की जन समस्याओं को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं तो दूसरी तरफ प्रदेश की भजनलाल सरकार की ओर से प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्र में ग्राम विकास रथ यात्रा का भी आयोजन कर रहे हैं जिसमें ग्राम विकास रथ के माध्यम से हर विधानसभा क्षेत्र में गांव-गांव शहर शहर जाकर लोगों को राजस्थान सरकार और केंद्र सरकार की ओर से संचालित की जा रही विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया जा रहा है तो दूसरी तरफ ग्राम विकास रथ में ही एक सुझाव पेटी भी स्थापित की गई है जिसमें आमजन अपने सुझाव और और समस्याएं लिखकर डाल सकते हैं । इसके अलावा ग्राम विकास रथ में एक प्रशिक्षित अधिकारी नियुक्त रहता है जो प्रदेश के किसानों को भी उनकी उपज को बढ़ाने, मिट्टी का परीक्षण करने तथा कम पानी में ज्यादा फसल कैसे पैदा करें फवारा खेती कृषि में नवाचार और आधुनिकरण का प्रयोग जैविक खेती पशुपालन मत्स्य पालन मछली पालन इत्यादि सभी के बारे में किसान वर्ग को जानकारी प्रदान कर रहा है ताकि किसान अपनी इनकम को बढ़ा सके इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार के सभी मंत्रियों और पार्टी के विधायकों को भी इन ग्राम विकास रथ यात्रा को लेकर काफी सजक और चौकस रहने को कहा है। उन्होंने भाजपा संगठन से जुड़े लोगों और पार्टी के विधायकों से कहा है कि वह भी ग्राम विकास रथ के माध्यम से लोगों से ज्यादा से ज्यादा जुड़े और ज्यादा से ज्यादा सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दें इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी आज प्रतापगढ़ जिले की बड़ी सादड़ी में बंबोरी गांव में बाकायदा रात्रि चौपाल का आयोजन कर रहे हैं इस रात्रि चौपाल में मुख्यमंत्री शर्मा ग्रामीण के साथ एक ही जाजम पर बैठकर उनके साथ देर तक चर्चा करेंगे मुख्यमंत्री शर्मा ग्रामीण से केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार की योजनाओं के बारे में बातचीत करेंगे ग्रामीण इन योजनाओं का फायदा उठा रहे हैं या नहीं या फिर इन योजनाओं का फायदा उठाने में होने किसी भी तरह की कोई परेशानी तो नहीं आ रही इन सब बातों को लेकर ग्रामीणों के साथ विस्तार से चर्चा करेंगे । इसके अलावा ग्राम विकास रथ यात्रा को लेकर भी मुख्यमंत्री शर्मा ग्रामीण के साथ अपने विचार शेयर करेंगे इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अलावा भारतीय जनता पार्टी के संगठन से जुड़े नेता तो मौजूद रहेंगे ही इसके अलावा विभिन्न विभागों के बड़े अधिकारी जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। जानकारी के अनुसार पहले यह बड़ी सादड़ी का कार्यक्रम मंगलवार को ही आयोजित होने वाला था और मंगलवार को ही बंबोरी गांव में मुख्यमंत्री शर्मा रात्रि चौपाल का आयोजन करने वाले थे लेकिन किन्हीं करण वास उन्होंने मंगलवार का कार्यक्रम स्थगित किया और अब बुधवार को आज बंबोरी में उनके रात्रि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है इसके अलावा ग्राम विकास रथ कार्यक्रम का भी आयोजन होगा। जानकार लोगों का कहना है कि ग्रामीणों के साथ रात्रि चौपाल के मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम से निश्चित रूप से प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में भी जोश और उत्साह का संचार होगा जब अधिकारियों को यह लगेगा कि एक मुख्यमंत्री ग्रामीण के साथ रात्रि चौपाल का आयोजन कर रहे हैं और मुख्यमंत्री गांव में ही रात्रि विश्राम कर रहे हैं तो फिर उन्हें भी उसी तरह से उसी जोश और जिम्मेदारी के साथ मुख्यमंत्री के इस विजन और संकल्प को पूरा करना है इसलिए भजनलाल शर्मा बंबोरी गांव में आज रात्रि विश्राम भी करेंगे ।

राजसमंद में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दी 20 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मंगलवार शाम नाथद्वारा विधानसभा क्षेत्र के खमनोर पंचायत समिति अंतर्गत पीएमश्री स्कूल, गांवगुडा तथा गौणमंडी परिसर, रेलमगरा पहुंचे, जहां उन्होंने क्षेत्र के लिए 20 करोड़ 76 लाख रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर आमजन को महत्वपूर्ण सौगात दी। इस अवसर पर राजसमंद सांसद श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़, नाथद्वारा विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़, जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल, जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा, एसपी हेमंत कलाल, जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा आदि मौजूद रहे। सांसद श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़, नाथद्वारा विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़ के नेतृत्व में जगह-जगह उप मुख्यमंत्री का स्वागत हुआ। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के साथ-साथ शिक्षा, सड़क, धार्मिक एवं खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन विकास कार्यों से क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है, जिससे प्रदेश के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया जा सके। गांवगुडा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण किया, जो डीएमएफटी योजना के तहत 3 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित हुआ है। इसके साथ ही टी-10 केसुली से एनएच-162ई तक सेमल व उनवास होते हुए 8.50 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य, जिसकी लागत 6 करोड़ 78 लाख रुपये है, का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2025-26 के अंतर्गत गांवगुडा क्षेत्र में 1.50 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य, जिसकी लागत 30 लाख रुपये है, का भी लोकार्पण किया गया। इसके अतिरिक्त महादेव मंदिर से श्मशान घाट तक पहुंच मार्ग पर पुलिया निर्माण कार्य, जिसकी लागत 20 लाख रुपये है, का शिलान्यास किया गया। इन कार्यों से गांवगुडा सहित आसपास के क्षेत्रों में आवागमन, शिक्षा सुविधाओं और आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी। रेलमगरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने टी-08 नाथद्वारा से रेलमगरा मार्ग के 11 किलोमीटर हिस्से के सुदृढ़ीकरण एवं निर्माण कार्य का लोकार्पण किया, जो पीएमजीएसवाई-द्वद्वद्व योजना के तहत 7 करोड़ 73 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुआ है। साथ ही मुख्यमंत्री बजट घोषणा के अंतर्गत राजपुरा से सूरजबारी माताजी तक 1 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य, जिसकी लागत 25 लाख रुपये है, का लोकार्पण किया गया। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेलमगरा में चावंडा माताजी मंदिर विकास कार्य, जिसकी लागत 1 करोड़ रुपये है, तथा क्षेत्र में खेल सुविधाओं के विस्तार हेतु 1 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित खेल स्टेडियम का भी लोकार्पण किया गया। इन समस्त कार्यों के माध्यम से नाथद्वारा विधानसभा क्षेत्र में कुल 22.05 किलोमीटर सड़क निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ शिक्षा, धार्मिक एवं खेल अवसंरचना को सशक्त किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से न केवल ग्रामीण संपर्क बेहतर होगा, बल्कि क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा और युवाओं को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का उदयपुर दौरा, संभाग स्तरीय अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं) प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मंगलवार को एक दिवसीय दौरे के तहत उदयपुर जिले के प्रवास पर रही। इस दौरान उन्होंने मादड़ी इंडस्ट्रियल एरिया स्थित उदयपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (यूसीसीआई) मीटिंग हॉल में सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), पर्यटन विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में डिप्टी सीएम द्वारा विभिन्न योजनाओं और बजट घोषणाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने उदयपुर संभाग में सार्वजनिक निर्माण विभाग की परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यक सड़कों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। बैठक में अटल प्रगति पथ, मिसिंग लिंक, नॉन-पेचेबल सड़कों सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। साथ ही विभिन्न पीडब्ल्यूडी सर्कल और राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों में चल रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में उपस्थित विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की प्रमुख सड़कों की स्थिति, प्रगति और क्षतिग्रस्त मार्गों को लेकर ध्यानाकर्षण कराया। समेकित बाल विकास सेवाओं (आईसीडीएस) के अंतर्गत बजट घोषणाओं, पोषण ट्रैकर, एफआरएस, आंगनबाड़ी केंद्रों के नवीनीकरण तथा नए केंद्रों की स्थापना की प्रगति पर चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों के विकास और न्यूट्री किट वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

नदी बेसिन मास्टर प्लान 'विकसित राजस्थान-2047' के अनुरूप करें तैयार- मुख्य सचिव

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्य सचिव व राजस्थान नदी बेसिन एवं जल संसाधन योजना प्राधिकरण के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित चिंतन कक्ष में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जल संसाधन प्रबंधन, संरक्षण एवं विभाग की योजना से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने राज्य में जल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन के लिए तकनीकी रूप से सुदृढ़ योजना निर्माण एवं सतत मॉनिटरिंग प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इंदिरा गांधी नहर परियोजना के मरम्मत कार्यों में तेजी लाने एवं जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करते हुए राज्य को जल आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। बैठक में मुख्य सचिव द्वारा मुख्य अभियंता हनुमानगढ़ को घग्गर नदी के मानसून अवधि में बाढ़ और जल उपलब्धता और संभावित उपयोग का अध्ययन करवाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश प्रदान किए। साथ ही, सभी बेसिन मुख्य अभियंता एवं बेसिन अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं को अपने-अपने संभाग में स्थित नदी बेसिनों की अद्यतन प्रभावी योजना एवं नदी बेसिन मास्टर प्लान विकसित राजस्थान–2047 को ध्यान में रखते हुए शीघ्र तैयार करने के निर्देश प्रदान किए। इसमें जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं प्राधिकरण के आयुक्त अभय कुमार ने राजस्थान नदी बेसिनों की जानकारी प्रस्तुत दी। प्राधिकरण के मुख्य अभियंता राज पाल सिंह ने विभिन्न परियोजनाओं एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। बैठक में जल संसाधन प्रबंधन से जुड़े प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई। इनमें सतही जल की उपलब्धता, रावी-ब्यास से प्राप्त जल, भूजल विकास की स्थिति, विभिन्न क्षेत्रों में जल की मांग (सिंचाई, पेयजल एवं औद्योगिक उपयोग), नहरों में जल परिवहन के दौरान होने वाली हानि तथा प्रमुख परियोजनाएं शामिल रहीं। इनमें इंदिरा गांधी नहर परियोजना, गंग नहर, भाखड़ा नहर एवं सिद्धमुख-नोहर परियोजना प्रमुख रूप से सम्मिलित हैं। इसमें भूजल की गुणवत्ता एवं बढ़ती पेयजल मांग को प्रमुख चुनौतियों के रूप में चिन्हित किया गया। इस संदर्भ में जल के समुचित उपयोग एवं संरक्षण के लिए समन्वित रणनीति अपनाने पर जोर दिया गया। मुख्य अभियंता (उत्तर), हनुमानगढ़ प्रदीप रूस्तगी द्वारा 'विकसित राजस्थान–2047' के अंतर्गत जल आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु घग्घर नदी बेसिन का डाटाबेस आधारित विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। इसमें जल उपलब्धता, मांग एवं आपूर्ति का विश्लेषण करते हुए प्रमुख चुनौतियों को रेखांकित किया गया। इनमें सतही जल की सीमित उपलब्धता, भूजल का अत्यधिक दोहन, आईजीएनपी क्षेत्र में जलभराव तथा अधिक जल खपत वाली फसलों का उपयोग शामिल है। रूस्तगी ने आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए कैनाल नेटवर्क के पुनर्स्थापन, जल परिवहन प्रणाली में सुधार, जल हानि को न्यूनतम करने तथा इस प्रणाली में स्थित आउटलेट करेक्शन करने के सुझाव दिए। इसके साथ ही माइक्रो इरिगेशन सिस्टम के व्यापक उपयोग, प्रभावी जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन एवं लघु संरचनाओं (जैसे छोटे बांध आदि) के निर्माण को आवश्यक बताया गया। उन्होंने जल संरक्षण तकनीकों विशेषकर स्काडा के प्रभावी उपयोग के माध्यम से कुशल जल प्रबंधन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न जोनों के मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सभी जिलों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।

मोदी सरकार का अत्याधुनिक एवं सेमी स्पीड ट्रेनों के संचालन पर विशेष फ़ोकस

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। केंद्र की मोदी सरकार ने भारतीय रेल यात्रियों की संरक्षा, आराम और यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है इसी क्रम में इंडियन रेलवे ने अपने कोचों में व्यापक सुधार और आधुनिक तकनीकों को अपनाने की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। रेलवे द्वारा इसके लिए निरंतर नवाचार और विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं जिनमें एलएचबी कोचों का अधिकाधिक उपयोग और वंदे भारत ट्रेनों का संचालन प्रमुख हैं। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार रेलवे द्वारा पारंपरिक आईसीएफ कोचों की जगह अधिक संरक्षित और आधुनिक एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोचों को उपयोग में लाया जा रहा है। ये कोच एंटी-क्लाइम्बिंग सिस्टम, एयर सस्पेंशन और कम जंग लगने वाली जैसी विशेषताओं से लैस हैं, जिससे दुर्घटनाओं के दौरान नुकसान कम होता है और यात्रा अधिक आरामदायक बनती है। अप्रैल 2018 से रेलवे के उत्पादन इकाइयों में केवल एलएचबी कोचों का निर्माण किया जा रहा है। 31 मार्च 2026 तक कुल 51,833 एलएचबी कोच तैयार किए जा चुके हैं। वहीं चरणबद्ध तरीके से आईसीएफ रेक को हटाकर अब तक 1,556 रेक को एलएचबी में बदला जा चुका है। जानकारी के अनुसार यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं देने के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस के चेयर कार संस्करण को देशभर में तेजी से बढ़ाया गया है। वर्तमान में 162 वंदे भारत चेयर कार सेवाएं संचालित हो रही हैं। इन ट्रेनों में कवच सुरक्षा प्रणाली, ऑटोमैटिक प्लग डोर, सीसीटीवी कैमरे, इमरजेंसी अलार्म और टॉक-बैक यूनिट जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। साथ ही 180 किमी प्रती घंटा की डिजाइन स्पीड और बेहतर एक्सेलरेशन इन्हें तेज और कुशल बनाते हैं। आग से सुरक्षा के लिए विशेष एरोसोल आधारित फायर डिटेक्शन सिस्टम भी लगाया गया है। वर्तमान में उत्तर पश्चिम रेलवे पर 5 जोड़ी वंदे भारत ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। लंबी दूरी के यात्रियों के लिए वंदे भारत का स्लीपर संस्करण भी शुरू किया गया है। वर्तमान में 2 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें सेवा में हैं, जिनमें उच्च स्तर की सुरक्षा और आराम का ध्यान रखा गया है।

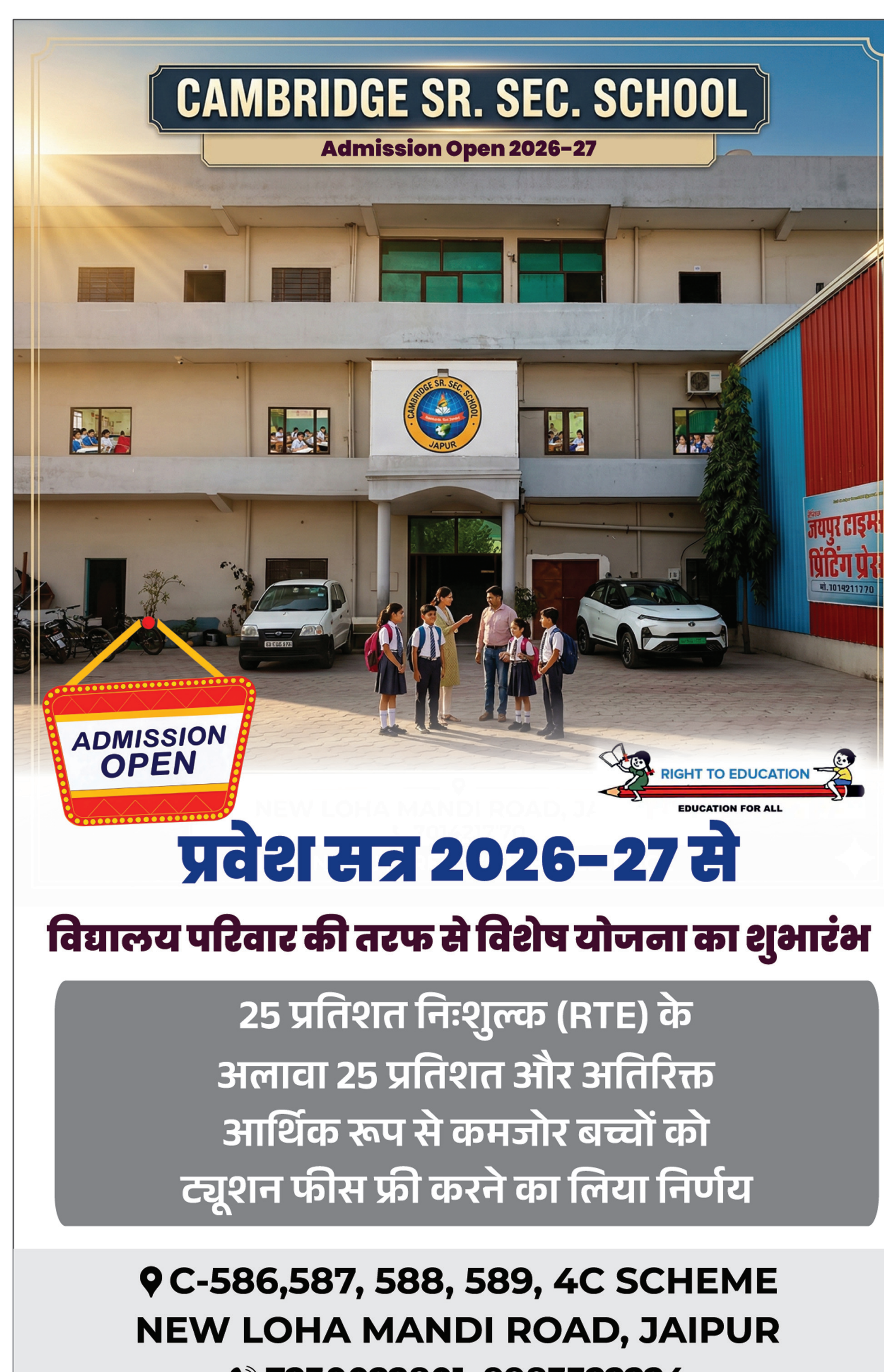

CMYK

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
06 मई, 2026

जिले में बच्चों के लिए निःशुल्क बायोमेट्रिक अपडेट अभियान

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। राजस्थान में 5 से 17 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (MBU) अभियान निःशुल्क संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के सभी स्कूलों में ब्लॉक स्तर पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं, जहां बच्चों का आधार बायोमेट्रिक अपडेट किया जा रहा है। जिले ने इस अभियान में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए प्रदेश में 5वां स्थान हासिल किया है। अब तक खैरथल-तिजारा जिले के 1,268 स्कूलों में कुल 8,734 बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। संयुक्त निदेशक वीरेंद्र त्यागी ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट निर्धारित स्कूल कैंपों में समय पर अवश्य करवाएं, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं एवं छात्रवृत्तियों का लाभ बिना किसी बाधा के मिलता रहे। यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है। संयुक्त निदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, खैरथल-तिजारा ने बताया कि अभियान को गति देने के लिए निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है तथा अधिक से अधिक बच्चों को इससे जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

चंद्रप्रभु विकलांग कल्याण समिति की 10 मई को आमसभा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। श्री चंद्रप्रभु विकलांग कल्याण समिति अलवर की आमसभा आगामी 10 मई को आयोजित की जाएगी, जिसमें वर्तमान कार्यकारिणी समिति का कार्यकाल पूर्ण होने पर नई कार्यकारिणी निर्वाचन संबंधी कार्यवाही संपादित की जाएगी। समिति के महामंत्री नरेन्द्र जैन ने बताया की निर्वाचन अधिकारी मधुसूदन शर्मा ने कार्यक्रम जारी कर 5 मई से 7 मई तक मतदाता सूचियां का प्रकाशन एवं अवलोकन ,8 व 9 मई तक आपत्ति एवं समाधान 10 मई को प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे तक नामांकन प्रस्तुतीकरण, 11:00 बजे से 11:30 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच, 11:30 बजे से 1:00 तक नाम वापसी और यदि आवश्यक हुआ तो 2:00 बजे से 4:00 बजे तक मतदान कराया जाएगा मतदान के तुरंत पश्चात परिणाम की घोषणा कर दी जाएगी।

काली मोरी अंडरपास निर्माण के चलते आज बिजली बन्द, कई क्षेत्र प्रभावित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। शहर में काली मोरी अंडरपास निर्माण कार्य के चलते आज फीडर नंबर 3 व 4 का शटडाउन रखा गया है। विद्युत विभाग के अनुसार यह शटडाउन प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक प्रभावी रहेगा। शटडाउन के कारण काली मोरी, मोती नगर, हीराबास, पीएसपी एवं कैप्सूल फैक्ट्री क्षेत्र, स्टेशन रोड, मंडी मोड़, ओम धर्म कांटा, गुंबद के आसपास का क्षेत्र, रामनगर, दिल्ली रोड सहित आसपास के इलाके प्रभावित रहेंगे। विभाग ने संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों से आवश्यक कार्य पहले ही निपटाने एवं सहयोग बनाए रखने की अपील की है।

नौ सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। भारतीय मजदूर संघ, जिला अलवर द्वारा श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं श्रम मंत्री, राजस्थान सरकार के नाम प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में संघ ने बताया कि प्रदेश के निजी एवं सरकारी क्षेत्र के अनेक विभागों, कारखानों एवं संस्थानों में ठेका प्रथा के माध्यम से श्रमिकों से नियमों के विरुद्ध कार्य कराया जा रहा है। ठेका श्रम (विनियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम 1970 व 1971 के प्रावधानों की अनदेखी के चलते श्रमिकों में भारी असंतोष व्याप्त है, जिससे औद्योगिक अशांति की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका है संघ द्वारा सरकार के समक्ष 9 सूत्रीय मांगें रखी गईं। इनमें प्रमुख रूप से संस्थानों का पंजीयन सुनिश्चित करना, स्थायी प्रकृति के कार्य ठेके पर न करवाना, श्रमिकों को पहचान पत्र एवं नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराना, न्यूनतम वेतन का समय पर भुगतान, ओवरटाइम का भुगतान, 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर पेंशन एवं अन्य लाभ, ईएसआई व पीएफ सुविधाएं, समान कार्य के लिए समान वेतन तथा श्रमिकों के लिए सामूहिक बीमा एवं नियमित स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था शामिल हैं। भारतीय मजदूर संघ ने सरकार से इन मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर शीघ्र निर्णय लेने की अपेक्षा जताई है, ताकि श्रमिकों को न्याय मिल सके इस अवसर पर जिलाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, जिला महामंत्री डालचंद मिश्रा, पुष्पराज शर्मा, अशोक शर्मा, मोरध्वज यादव, बी.आर. ठाकुर, किशन राजपूत, सीताराम, जीतू सैनी, लोकेश सोनी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ताल छापर में जाली नोट खपाने की कोशिश नाकाम, युवक गिरफ्तार

चूरू(निस)। चूरू जिले के ताल छापर कस्बे में पुलिस ने जाली नोट चलाने की कोशिश कर रहे एक युवक को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई की है। आरोपी के कब्जे से 500-500 रुपए के कुल 8 नकली नोट बरामद किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत 4 हजार रुपए है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे छापर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक चोपड़ा बाजार से रामदेव मंदिर की ओर जाने वाली गली में नकली भारतीय मुद्रा खपाने की फिराक में घूम रहा है। सूचना पर एएसआई इंद्रलाल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बताए गए हुलिए के आधार पर संदिग्ध युवक को बूचा भवन के पास रोककर पूछताछ की। पूछताछ में युवक की पहचान धनेश उर्फ दिनेश निवासी जोगलिया के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसकी पैंट की जेब से 500-500 रुपए के 8 जाली नोट बरामद हुए। प्रारंभिक जांच में नोटों में सुरक्षा धागा नहीं पाया गया और छपाई भी असली नोटों से भिन्न नजर आई, जिससे इनके नकली होने की पुष्टि हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि यह नोट उसे उसके मामा से मिले थे। पुलिस ने सभी जाली नोट जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। नोडल थाना होने के कारण मामला चूरू कोतवाली में भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस मामले की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि नकली नोटों का नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है तथा इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

जिले के ग्रामीण अंचल में एलईडी रथ के माध्यम से बज रहा है जनकल्याणकारी योजनाओं का बिगुल

खेती किसानी से संबंधित योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर किसान हो रहे हैं जागरूक

सुझाव पेटिका में दे रहे विकसित भारत के निर्माण के लिए सुझाव

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जिले में संचालित ग्राम रथ अभियान के एलईडी लगे रथ ग्रामीण अंचलों के गांव-गांव तक पहुंचकर बदलाव की बयार ला रहे है, जिसमें बड़ी संख्या में किसान, पशुपालक और ग्रामीण सरकारी की जनकल्याणकारी योजनाओं की उत्साह और जिज्ञासा जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी कर रहे हैं अपने अनुभव साझा

ग्राम रथों के ग्रामीण अंचल में पहुंचने पर केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं में लाभांवित ग्रामीण योजनाओं के लाभ का अनुभव साझा कर रहे हैं। ग्रामीण बताते हैं कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा दिए गए योजनाओं के लाभ से उनके जीवन में बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि यह अभियान उनके लिए वरदान साबित हो रहा है। पहली बार योजनाएं सीधे गांव तक पहुंचने से ग्रामीणों को वास्तविक लाभ मिलने की उम्मीद जगी है।

प्रचार सामग्री में 13 विभागों की योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी

ग्राम रथों के गांव-गांव में पहुंचने पर उपस्थित ग्रामीणों को प्रचार सामग्री प्रदान की जा रही है, जिसमें सरकार के 13 विभागों कृषि, उदयानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, सिंचाई, उद्योग, उर्जा, राजस्व, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी समाहित है। इन प्रचार सामग्री के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने में सहूलियत हो रही है।

संध्या चौपाल में कला जत्था के माध्यम से ग्रामीणों में बढ रही है रोचकता

ग्राम रथ अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में संध्या चौपाल का आयोजन हो रहा है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के लोक कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति के माध्यम से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से रूबरू कराया जा रहा है। संध्या चौपाल में ग्रामीण भी रोचकता के साथ भाग लेकर इन आयोजनों को सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं।

योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह का माहौल

ग्राम रथ के साथ लगी एलईडी स्क्रीन और ऑडियो-वीडियो सिस्टम के जरिए सरकार की 13 विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं को बेहद सरल भाषा में प्रस्तुत कर ग्रामीणों को इन योजनाओं के प्रति जागरूक कर इनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित कर रही है। कार्यक्रमों में मौजूद लोग ध्यानपूर्वक योजनाओं की जानकारी सुनकर योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

सरिस्का में वन्य जीव संघर्ष पर विधिक टीम व वन विभाग की टीम का दौरा

ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, मुआवजा प्रक्रिया की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सरिस्का टाइगर रिजर्व के बफर जोन में स्थित गांवों का दौरा किया गया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य वन्य जीव और मानव संघर्ष के कारण ग्रामीणों को होने वाली समस्याओं को समझना और उन्हें विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। सीधा संवाद: विधिक टीम ने सरिस्का के सीमावर्ती गांवों में ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाकर उनकी समस्याओं को सुना। ग्रामीणों ने वन्य जीवों द्वारा फसलों को नुकसान पहुँचाने और मवेशियों पर हमले जैसी समस्याओं से टीम को अवगत कराया। मुआवजा प्रक्रिया का सरलीकरण: टीम ने ग्रामीणों को विस्तार से समझाया कि वन्य जीव संघर्ष के मामलों में सरकार द्वारा निर्धारित मुआवजा प्राप्त करने की सही प्रक्रिया क्या है। इसके लिए आवश्यक दस्तावेजों और आवेदन के समय के बारे में जानकारी दी गई। मौका निरीक्षण: विधिक टीम ने उन क्षेत्रों का भी दौरा किया जहाँ अक्सर वन्य जीवों की आवाजाही रहती है, ताकि सुरक्षा उपायों और विधिक राहत की संभावनाओं का आकलन किया जा सके। कानूनी सहायता का आश्वासन: ग्रामीणों को बताया गया कि यदि उन्हें मुआवजा मिलने में किसी तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ता है, तो वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

विधिक टीम का संदेश:

दौरे के दौरान टीम ने ग्रामीणों से अपील की कि वे वन्य जीव संघर्ष की स्थिति में कानून को हाथ में न लें और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत वन विभाग एवं विधिक सेवा प्राधिकरण को दें। विधिक टीम का यह प्रयास पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण और ग्रामीण सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

जिला कलक्टर ने विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण, गुणवत्ता और समयबद्धता पर दिया जोर

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने मंगलवार को जिले में चल रहे विभिन्न सड़क एवं पुल निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण कर प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। जिला कलेक्टर ने हरसौली स्थित LC-86 PR पर बन रहे रेलवे ओवरब्रिज (ROB) का निरीक्षण कर निर्माण कार्य को तेज गति से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्र में यातायात सुगम होगा और आमजन को राहत मिलेगी। साथ ही कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। इसके पश्चात कलेक्टर ने खैरथल से MDR 318 शेखपुर वाया बघेरी मार्ग के वाइडनिंग एवं स्ट्रेटनिंग कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क की चौड़ाई और सीधाई के कार्य में तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना कम हो और यातायात सुरक्षित बने। जिला कलेक्टर ने विजय मंदिर, घाटला, पडिसल, खैरथल हरसौली MDR-198 सड़क के वाइडनिंग एवं स्ट्रेटनिंग कार्य का भी जायजा लिया। इस दौरान वे टेस्टिंग लैब पहुंचे, जहां निर्माण सामग्री के सैंपल की मौके पर जांच की। उन्होंने सैंपल टेस्टिंग प्रक्रिया को देखा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद

उन्होंने MDR-318 सड़क निर्माण कार्य स्थल का निरीक्षण किया, जहां मौके पर ही निर्माण सामग्री के सैंपल लिए गए। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान खैरथल बायपास (MDR-25 किशनगढ़ बास-खैरथल-कोटपुतली मार्ग) के निर्माण कार्य का निरीक्षण कर अधिकारियों को निरंतर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बाईपास बनने से शहर में यातायात दबाव कम होगा और आवागमन अधिक सुगम एवं सुरक्षित होगा। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं की नियमित समीक्षा करें, कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखें।

हड़ियाल में ग्राम रथ का भव्य स्वागत, नाट्य प्रस्तुतियों से योजनाओं की दी जानकारी

गांव-गांव तक पहुंचा जनजागरूकता अभियान, डीबीटी से सीधे खातों में मिल रहा लाभ

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित ग्राम रथ अभियान ग्राम पंचायत हड़ियाल में प्रभावी जनजागरूकता का माध्यम बनकर उभरा। ग्राम रथ के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी गांव के अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुंचाई जा रही है। तारानगर पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत हड़ियाल पहुंचने पर प्रशासक राकेश शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर ग्राम रथ का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान नाट्य प्रस्तुतियों, गीतों और संवादों के जरिए योजनाओं का सरल और रोचक तरीके से प्रचार-प्रसार किया गया, जिससे ग्रामीणों में योजनाओं के प्रति जागरूकता और समझ बढ़ी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि झाझड़िया ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सच्चे विकास का

आधार है। उन्होंने युवाओं को शिक्षा, खेल और जागरूकता अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रशासक राकेश शर्मा ने कहा कि सरकार की योजनाओं को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) प्रणाली के माध्यम से पात्र लोगों के खातों में सीधे लाभ पहुंचाया जा रहा है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिल रही है। ग्रामीणों ने ग्राम रथ अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से उन्हें योजनाओं की सही जानकारी मिल रही है, जिससे पात्र परिवारों को लाभ लेने में आसानी होगी। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी टीकूराम मीणा, ग्राम विकास अधिकारी रामगोपाल शर्मा, कनिष्ठ सहायक मुकेश नायक, दिनेश शर्मा सहित भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अनुप खंडेलवाल, वार्ड पंच सविता, राजू सहारण, बाबूलाल, मुकेश कुमार, रविन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ ने झालमुरी खिलाकर मनाई जीत की खुशी

तीन राज्यों में विजय को बताया जनविश्वास की जीत

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ की ओर से बुधवार को ज्योतिबा फुले चौराहे के पास आमजन को झालमुरी बनाकर खिलाते हुए पश्चिम बंगाल सहित तीन राज्यों में पार्टी की ऐतिहासिक विजय का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. के.के. शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम व पुडुचेरी में भाजपा की जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर आमजन के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इन नीतियों के माध्यम से भारत विश्व पटल पर तीसरी आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है तथा सामरिक रूप से भी सशक्त हुआ है। आमजन ने नकारात्मक राजनीति को नकारकर विकास को चुना है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बदले की नहीं, बल्कि बदलाव

की राजनीति करती है। पश्चिम बंगाल की जनता ने भय को हराकर भरोसे को चुना है। उन्होंने कहा कि वहां डबल इंजन की सरकार घुसपैठ, महिला उत्पीड़न और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर प्रभावी कार्य करेगी। इस अवसर पर डॉ. विभा गुप्ता, डॉ. आशीष शर्मा, प्रकाश गोड़, उदय सिंह बना, सियाराम शर्मा, लखन गुर्जर, प्रदीप माथुर, आकाश कुमार, कमल गोड़, भावना नायक, चेतना प्रजापत, अनीश कुमार मोंडोरिया, पुष्पेंद्र मीना, सलजीत चौहान, रानू तायल सहित अनेक पदाधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने ली समाधान शिविर की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक

केंद्र व राज्य सरकार की 11 फ्लैगशिप योजनाओं के शत-प्रतिशत सैचुरेशन कराने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने जिला प्रशासन के नवाचार 'समाधान शिविर' के तहत 14 मई को कठूमर में आयोजित होने वाले पहले शिविर की तैयारियों व उसके सफल आयोजन के संबंध में समीक्षा बैठक लेकर जिला व कठूमर ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं से सभी पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित कराने के उद्देश्य से जिले के प्रत्येक ब्लॉक मुख्यालय पर समाधान शिविरों का आयोजन होगा, जिसका शुभारम्भ 14 मई को कठूमर में आयोजित शिविर से किया जाएगा। उन्होंने शिविर में दिए जाने वाले लाभों के संबंध में बारीकी से विभागवार समीक्षा कर उन्होंने जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपसी समन्वय रखते हुए समाधान शिविर से पूर्व गतिविधियों के तहत गूगल फॉर्म का स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करें। इसके माध्यम से योजनाओं के आवेदन एवं परिवेदनाएं आदि ली जाएं। शिविर की तैयारी इस प्रकार करें कि समाधान शिविर के दिन लाभार्थियों को मौके पर लाभांवित किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस शिविर के तीन माह पश्चात पुनः यहां शिविर लगाया जावेगा। उपखण्ड अधिकारी कठूमर श्याम सुन्दर चेतीवाल ने कठूमर मुख्यालय पर 14 मई को आयोजित होने वाले समाधान शिविर की तैयारियों के संबंध में विस्तृत प्रेजेंटेशन देकर शिविर में की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी।

यहां लगेंगे शिविर

उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों का शुभारम्भ 14 मई को कठूमर में पहला शिविर लगने के साथ होगा। इसके पश्चात 27 मई को थानागाजी, 12 जून को रैणी, 25 जून को उमरैण, 10 जुलाई को लक्ष्मणगढ, 23 जुलाई को गोविन्दगढ, 31 जुलाई को राजगढ, 7 अगस्त को रामगढ और 21 अगस्त को मालाखेडा में उपखण्ड मुख्यालय पर ये शिविर प्रातः 10 बजे से आयोजित होंगे।

अभियान का मुख्य उद्देश्य

केंद्र सरकार की 11 जनकल्याणकारी योजनाओं एवं राज्य सरकार की मुख्यमंत्री फ्लैगशिप योजनाओं का शत-प्रतिशत इन शिविरों में सैचुरेशन किया जाना, ई-गवर्नेंस के अंतर्गत संचालित समस्त पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का समयबद्ध एवं प्राथमिकता के आधार पर शत-प्रतिशत निस्तारण करना प्रमुख कार्य है। साथ ही इन शिविरों के लिए उपखण्ड स्तरीय परिवाद संकलन हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर शिकायत संग्रहण एवं आमजन की सुविधा हेतु गूगल फॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन संबंधित उपखण्ड के नागरिकों से परिवेदना, शिकायत व समस्याओं को प्राप्त कर उनका शिविर से पूर्व ही निस्तारण किया जावेगा। इस क्यूआर कोड के माध्यम से कोई भी नागरिक घर बैठे अपना परिवाद दर्ज करा सकेगा।

सालिगरामपुरा श्मशान घाट बदहाल, मूलभूत सुविधाओं के अभाव से ग्रामीणों में रोष

जयपुर टाइम्स

सांगानेर(निस)। पंचायत समिति सांगानेर की ग्राम पंचायत विधानी के अंतर्गत आने वाले सालिगरामपुरा गांव का श्मशान घाट आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओर खसरा नंबर 301 व 302 में करीब दो बीघा भूमि श्मशान के लिए आवंटित किए जाने के बावजूद मौके पर आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार करीब आठ महीने पूर्व उन्होंने क्षेत्रीय विधायक कैलाश वर्मा को मानसरोवर स्थित कार्यालय में लिखित ज्ञापन सौंपा था। उस दौरान विधायक ने श्मशान घाट पर चारदीवारी, पेड़-पौधे, बैठने की व्यवस्था तथा पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्य शुरू नहीं हुआ है। स्थिति यह है कि श्मशान घाट तक पहुंचने के लिए उचित मार्ग तक उपलब्ध नहीं है, जिससे अंतिम संस्कार जैसे संवेदनशील कार्यों में भी ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। यह गांव भजन लाल शर्मा के विधानसभा क्षेत्र से मात्र 10 किलोमीटर दूरी पर स्थित होने के बावजूद श्मशान जैसे सार्वजनिक स्थल पर सुविधाओं का अभाव प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि इस सार्वजनिक मोक्ष स्थल का सम्मान बना रहे। इस दौरान भंवर सिंह राजावत, लल्लू राम सैनी, ईश्वर देवासी, दीपक शर्मा, गणेश नारायण सैनी, पर्वत देवासी, सोहनलाल रेबारी, भोलाराम सैनी, दुर्गा देवासी, सोहनलाल प्रजापत व दुजीराम शर्मा आदि मौजूद रहे।

खेत तालाब योजना से किसान की बदली तस्वीर, जल संरक्षण से बढ़ी आय

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जिला प्रशासन की ओर से संचालित ग्राम रथ अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीन तक पहुंचाने में प्रभावी साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार चलाए जा रहे इस अभियान के तहत ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ मौके पर ही लाभ भी उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत घिनाई के ग्राम सबलपुरा में आयोजित ग्राम रथ अभियान के दौरान किसान लालचंद पुत्र नाथूराम यादव ने खेत तालाब योजना का लाभ लेकर अपनी खेती को नई दिशा दी। किसान ने बताया कि वह पूरी तरह खेती पर निर्भर है, लेकिन पानी की कमी के कारण उनकी खेती प्रभावित हो रही थी और खेत खाली पड़े रहते थे। कृषि विभाग से संपर्क करने पर उन्हें खेत तालाब निर्माण योजना की जानकारी मिली। योजना के तहत उन्हें लगभग 1.35 लाख रुपए का अनुदान मिला, जिससे उन्होंने अपने खेत में तालाब का निर्माण करवाया। अब वर्षा जल का संग्रहण होने से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो गई है, जिससे फसल उत्पादन में वृद्धि के साथ उनकी आय में भी सुधार हुआ है। लाभार्थी ने योजना का लाभ मिलने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए अन्य किसानों से भी अपील की कि वे जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी खेती को सशक्त बनाएं। जिला प्रशासन द्वारा ग्राम रथ अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ने के प्रयास लगातार जारी हैं, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके।

तारबंदी योजना से सुरक्षित हुई फसल, किसान की आय में बढ़ोतरी

हस्तेड़ा के किसान को 40 हजार का अनुदान, आवारा पशुओं से राहत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जिले में संचालित ग्राम रथ अभियान के तहत जनकल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीणों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार चल रहे इस अभियान के अंतर्गत पंचायत समिति गोविंदगढ़ की ग्राम पंचायत हस्तेड़ा में विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान हस्तेड़ा निवासी किसान मुकेश कुमार जाट ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने कृषि विभाग की तारबंदी (फेंसिंग) योजना के तहत आवेदन किया था। योजना के अंतर्गत उन्हें लगभग 40 हजार रुपए का अनुदान मिला, जिससे उन्होंने अपने खेत के चारों ओर मजबूत तारबंदी करवाई। उन्होंने बताया कि पहले उनकी फसल को आवारा पशुओं से भारी नुकसान होता था, जिससे उत्पादन और आय प्रभावित होती थी। लेकिन तारबंदी के बाद अब उनकी फसल पूरी तरह सुरक्षित हो गई है। इससे फसल नुकसान में कमी आई है और उत्पादन के साथ गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। मुकेश कुमार जाट ने बताया कि पहले उन्हें रातभर खेत की रखवाली करनी पड़ती थी, लेकिन अब वे निश्चिंत होकर अन्य कार्यों पर ध्यान दे पा रहे हैं। इससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने योजना का लाभ मिलने पर मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए अन्य किसानों से भी इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

नाम परिवर्तन

उपर्युक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि छात्र NARAYAN पुत्र CHAINARAM निवासी साण्डवा तहसील बीदासर जिला चूरू राजस्थान का निवासी है। छात्र के पिछले विद्यालय की टी.सी. में छात्र का नाम NARAYAN, पिता का नाम CHAINARAM माता का नाम VINA DEVI लिखा हुआ है। जबकि छात्र के जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड में छात्र का नाम NAVESH, पिता का नाम CHENARAM SUTHAR व माता का नाम VEENA DEVI लिखा हुआ है।

अतः महोदयजी से निवेदन है कि उक्त छात्र के नाम में शुद्धिकरण NAVESH CHENARAM SUTHAR व माता के नाम में VEENA DEVI करने की कृपा कृपा करें।

महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के उपलक्ष में गठित उच्च स्तरीय राष्ट्रीय समिति में भूपेंद्र सैनी सदस्य नियुक्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान के लिए यह अत्यंत गौरव और ऐतिहासिक महत्व का क्षण है कि महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में गठित उच्च स्तरीय राष्ट्रीय समिति में भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत सामाजिक और संगठनात्मक योगदान की पहचान है बल्कि राजस्थान के लिए भी गर्व का विषय है कि राज्य की सक्रिय भागीदारी इस राष्ट्रीय आयोजन में सुनिश्चित की गई है। इस महत्वपूर्ण समिति का गठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किया गया है, जो देशभर में सामाजिक चेतना, शिक्षा, समानता और न्याय के संदेश को आगे बढ़ाने का कार्य करेगी। सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि 126 सदस्यों की इस समिति में 'राजनेता' श्रेणी से मात्र दो ही व्यक्तियों को शामिल किया गया है जिनमें से एक भूपेंद्र सैनी हैं। यह चयन उनके निरंतर जनसेवा, समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए किए गए प्रयासों और संगठन में उनकी मजबूत पकड़ को दर्शाता है। समिति में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी उपस्थिति राज्य के संतुलित और व्यापक प्रतिनिधित्व को दर्शाती है। वहीं देश के शीर्ष नेतृत्व की बात करें तो पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल और रामनाथ कोविंद, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जैसे प्रतिष्ठित नाम इस समिति को और अधिक प्रभावशाली बनाते हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल से राजनाथ सिंह, अमित शाह, जे.पी. नड्डा, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण, अश्विनी वैष्णव, प्रह्लाद जोशी सहित कई वरिष्ठ नेता इसमें शामिल हैं। साथ ही कई राज्यों के राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री और देशभर के मुख्यमंत्री जैसे योगी आदित्यनाथ, मोहन यादव, नायब सिंह सैनी और देवेंद्र फडणवीस भी इस समिति का हिस्सा हैं। समिति की विशेषता यह भी है कि इसमें केवल राजनीतिक ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और खेल जगत की प्रमुख हस्तियों को भी शामिल किया गया है। आध्यात्मिक क्षेत्र से बाबा रामदेव और सद्गुरु जग्गी वासुदेव वहीं खेल जगत से पी.टी. ऊषा जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों की भागीदारी इस आयोजन को सर्वसमावेशी बनाती है। राजस्थान से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के अतिरिक्त केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, भूपेंद्र यादव और अर्जुनराम मेघवाल को भी इस समिति में शामिल किया गया है, जिससे प्रदेश की भूमिका और भी सशक्त हो गई है। संस्कृति मंत्रालय द्वारा राजपत्र में अधिसूचित यह भव्य राष्ट्रव्यापी आयोजन 11 अप्रैल 2026 से 11 अप्रैल 2028 तक चलेगा। इस दौरान देशभर में विभिन्न कार्यक्रम, संगोष्ठियाँ, सांस्कृतिक आयोजन और जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे, जिनका उद्देश्य महात्मा फुले जी विचारों–समानता, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय–को जन-जन तक पहुँचाना होगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, मिथिलेश गौतम, कैलाश मेघवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश मंत्री नारायण मीणा एवं एसटी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष गोपीचंद मीणा सहित अनेक पदाधिकारियों ने भूपेंद्र सैनी को मिठाई खिलाकर और पुष्प भेंट कर हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भी उत्साहपूर्वक बधाइयाँ देते हुए इस उपलब्धि को सामूहिक गर्व का क्षण बताया। अपने वक्तव्य में भूपेंद्र सैनी ने कहा कि यह सम्मान मेरे लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वे महात्मा ज्योतिबा फुले के आदर्शों पर चलते हुए समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान, शिक्षा के प्रसार और सामाजिक समरसता के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

तीन राज्यों में पार्टी की ऐतिहासिक जीतपर भाजपा कार्यालय में दिवाली जैसी भव्य रंगीन आतिशबाजी

सभी बड़े नेता भी रहे मौजूद

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी को प्राप्त प्रचंड जनादेश के उपलक्ष्य में भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में भव्य एवं उत्साहपूर्ण विजय उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जीत की खुशियां मनाईं। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन सामूहिक रूप से सुना गया। उद्बोधन के पश्चात कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। भाजपा कार्यालय परिसर में भव्य आतिशबाजी की गई जिससे पूरा वातावरण रोशनी और उल्लास से भर गया। इस दौरान भारत माता की जय, भाजपा जिंदाबाद,नितिन नवीन जिंदाबाद तथा नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारों से परिसर गूंज उठा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, विकासोन्मुख नीतियों और सुशासन के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के कुशल संगठन और मार्गदर्शन ने पार्टी को यह सफलता दिलाई है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में लंबे समय से संघर्ष कर रहे कार्यकर्ताओं के त्याग, समर्पण और साहस को इस विजय का श्रेय देते हुए उन्हें नमन किया। इसके साथ ही राजस्थान सहित देशभर के सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को इस ऐतिहासिक सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने पूरे उत्साह और जोश के साथ इस विजय उत्सव को यादगार बना दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केंद्रीय कार्यालय में उद्बोधन आरंभ होते ही मदन राठौड़ भावुक होकर उत्साह से भर उठे। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, राष्ट्रीय संगठन मंत्री बी. एल. संतोष, केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा तथा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महेश शर्मा ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। पश्चिम बंगाल चुनावों के दौरान उन कार्यकर्ताओं की सराहना की गई जिन्होंने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी लंबे समय तक डटे रहकर संगठन के लिए कार्य किया। विशेष रूप से प्रवासी राजस्थानी कार्यकर्ताओं के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने बंगाल में संगठित होकर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में प्रभावी भूमिका निभाई तथा निरंतर सक्रिय रहकर संगठन को नई मजबूती प्रदान की।

विधायक बालमुकुंद आचार्य के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जीत का ऐतिहासिक जश्न

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट जनादेश प्राप्त होने पर हवामहल विधानसभा क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य के नेतृत्व में जोरावर सिंह गेट पर एकत्रित होकर विजय का भव्य जश्न मनाया।इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर जीत की खुशी व्यक्त की तथा एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। पूरे क्षेत्र में उल्लास और उत्साह का वातावरण बना रहा, जहां बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए इस विजय को कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत, संगठन की मजबूती और जनता के विश्वास का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश विकास, सुशासन और राष्ट्रहित की नीतियों पर जनता की मुहर है। उन्होंने विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में मिली सफलता को उल्लेखनीय बताते हुए कहा कि यह विजय तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार एवं राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के विरुद्ध जनता की स्पष्ट अभिव्यक्ति है। साथ ही असम एवं पुडुचेरी में प्राप्त जीत पर भी सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भारत माता के जयकारे लगाए और पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। सभी ने संकल्प लिया कि वे इसी ऊर्जा और समर्पण के साथ आगे भी समाज सेवा एवं संगठन के कार्यों को गति देंगे। यह विजय उत्सव न केवल राजनीतिक सफलता का प्रतीक रहा, बल्कि कार्यकर्ताओं के उत्साह, एकजुटता और संगठन की मजबूती को भी प्रदर्शित करता है। इस अवसर पर प्रदेश संयोजक स्वच्छ भारत मनोज शर्मा, जयपुर शहर उपाध्यक्ष सुरेश गुर्जर, पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष जयपुर शहर कविता मलिक, विधानसभा हवामहल के मंडल अध्यक्ष अमित पारीक, प्रेम सैनी, जुगल किशोर साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष चिमन लाल सैनी, कैलाश जांगिड, राजेंद्र शर्मा, पूर्व चेयरमैन रजत विश्नोई, मानक शर्मा, पूर्व पार्षद सुरेश सैनी, नंदकिशोर सैनी, राजेश गुप्ता, मदन नागर, मंडल महामंत्री मनोज वशिष्ठ, युवा मोर्चा अध्यक्ष अनिल गुर्जर, महिला मोर्चा अध्यक्ष ज्योति बागवानी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गहलोत के जन्मदिवस पर पावटा में शीतल जल सेवा, भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत

जनसेवा के संदेश के साथ जल सेवा शिविर, समाजसेवा को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

जयपुर टाइम्स

पावटा(निस)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जन्मदिवस के अवसर पर पावटा कस्बे में जनसेवा की मिसाल पेश करते हुए शीतल जल सेवा का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों और आमजन को ठंडा पानी पिलाकर राहत पहुंचाई गई तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम का आयोजन जनसेवक महेश यादव के संयोजन में किया गया। आयोजन का उद्देश्य केवल जन्मदिवस मनाना नहीं, बल्कि समाजसेवा के माध्यम से मानवता का संदेश देना रहा। तेज गर्मी के बीच लगाए गए जल सेवा शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने शीतल जल ग्रहण किया और इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर मेहरसिंह चौधरी, बलराम स्वामी, रामवतार गुर्जर, राजू गुर्जर, डीपी यादव, ओमप्रकाश बावड़ी, हवासिंह यादव, विक्रम मीणा, सोनू मीणा, सुनील स्वामी व लोकेश गौर सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पूर्व मुख्यमंत्री के दीर्घायु व स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए समाजसेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

दलित इंजीनियर को न्याय देने के बजाय फुटबॉल बना रहा सिस्टम, कब तक अत्याचार का शिकार होंगे दलित?: जूली

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य की भाजपा सरकार को घेरते हुए दलित उत्पीड़न और प्रशासनिक विफलता पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। जूली ने कहा कि प्रदेश में दलित इंजीनियर जगनलाल बैरवा को अभी तक न्याय नहीं मिला है। पीड़ित को इंसाफ दिलाने के बजाय भाजपा विधायक, जिला कलेक्टर और सीएमओ के बीच इस प्रकरण को फुटबॉल की तरह घुमाया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर कब तक दलित समाज को न्याय के लिए तरसना पड़ेगा? श्री जूली ने सरकार से सवाल किया है कि यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि श्री बैरवा पर कोई दबाव न डाला जाए और जांच पूरी तरह से निष्पक्ष हो क्योंकि मामला सत्ताधारी दल के विधायक से जुड़ा हुआ है ? जूली ने कहा कि बताया जा रहा है कि एक हाईलेवल कमेटी इस मामले की जांच कर रही है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि यह जांच कब पूरी होगी? सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जब बगैर जांच के बैरवा को पुलिस के हवाले कर दिया गया था, तो अब इंजीनियर मीणा के मामले में इतनी देरी क्यों? क्या इस सिस्टम से एक दलित इंजीनियर को निष्पक्ष न्याय मिल पाएगा? यह मौजूदा सरकार के दलित विरोधी चेहरे को उजागर करता है। नेता प्रतिपक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि आज राजस्थान में पंचायत और स्थानीय निकायों के चुनाव समय पर न कराना भाजपा की हार के डर को दर्शाता है। उन्होंने कहा की भाजपा का हाल ऐसा है कि घर में नहीं दाने, अम्मा चली भुनाने। प्रदेश में चुनाव न होने से लोकतान्त्रिक संस्थाएं ठप पड़ी हैं, विकास कार्य रुके हुए हैं, लेकिन सरकार अपनी विफलता पर पर्दा डालने के लिए बाहरी राज्यों के जश्न में डूबी है। जो सरकार अपने राज्य के भीतर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पूरा करने का साहस नहीं जुटा पा रही, वह किस मुँह से जश्न मना रही है ? युवाओं के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए जूली ने कहा कि भाजपा ने सत्ता में आने से पहले युवाओं से सरकारी नौकरी का वादा किया था, लेकिन अब उन्हें शिक्षा वीर बनाकर केवल संविदा और अस्थायी भर्तियाँ परोसी जा रही हैं। 3,540 पदों पर निकाली गई हालिया भर्ती इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। इस भर्ती में न तो अनुभवी अभ्यर्थियों को कोई वेटेज दिया गया है और न ही ओवरएज हो चुके युवाओं को कोई राहत प्रदान की गई है। क्या यही भाजपा का सुराज और रोज़गार मॉडल है?

भाजपा ने हमेशा सेवा,समर्पण और संघर्ष के बल पर जनता का विश्वास किया अर्जित- मदन राठौड़

विपक्ष अपनी हार को स्वीकार करने की बजाय जनादेश का कर रहा है अपमान, अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों और निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर उठाए गए सवालों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। राठौड़ ने कहा कि भारत का लोकतंत्र विश्व में अपनी पारदर्शिता और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए जाना जाता है, और इस पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास है। राठौड़ ने कहा कि देश में चुनाव पूरी तरह व्यवस्थित, निष्पक्ष और संवैधानिक ढांचे के तहत संपन्न होते हैं। भाजपा ने हमेशा सेवा, समर्पण और संघर्ष के बल पर जनता का विश्वास अर्जित किया है और हर परिस्थिति में जनादेश का सम्मान किया है। इसके विपरीत, कुछ विपक्षी दल अपनी हार को स्वीकार करने के बजाय जनादेश पर ही प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और लोकतंत्र के प्रति अनादर को दर्शाता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का भी उल्लेख करते हुए कहा कि हमें बदले की राजनीति से ऊपर उठकर विकास की राजनीति करनी चाहिए। राठौड़ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के कार्यकाल में राजनीतिक हिंसा की घटनाएं सामने आईं, भाजपा समर्थकों को निशाना बनाया गया, उनके घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुईं। पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति लंबे समय तक चिंता का विषय रही। आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा में कमी दिखाई दी और कई स्थानों पर हिंसा एवं उत्पीड़न की घटनाएं तक सामने आ रही थी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक जिम्मेदार राष्ट्रनेता के रूप में सभी पक्षों से बदले की भावना से काम नहीं करने की अपील की और प्रदेश की जनता के विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। यह एक राष्ट्रनेता, जननेता ही कर सकता है। राठौड़ ने विपक्ष की दोहरी नीति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जहां उन्हें केरल और तमिलनाडु में मिली जीत पर गर्व है, वहीं पश्चिम बंगाल में हार के बाद वे निर्वाचन आयोग पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह चयनात्मक दृष्टिकोण दर्शाता है कि विपक्ष अपनी सुविधा के अनुसार लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भरोसा करता है या उन्हें कठघरे में खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र और संवैधानिक संस्था है, जिसकी निष्पक्षता पर संदेह करना उचित नहीं है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करें, जनादेश को स्वीकार करें और देश एवं राज्य के विकास के लिए सकारात्मक राजनीति करें। मदन राठौड़ ने गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा आरजीएचएस योजना को बंद करने के आरोपों पर कहा कि पानी, बिजली और चिकित्सा सेवाएं सरकार की मूल जिम्मेदारी हैं, और इसी क्रम में आरजीएचएस भी जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाई जा रही योजना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य इस योजना को बंद करना नहीं बल्कि इसे अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाना है। राठौड़ ने कहा कि कुछ स्थानों पर योजना के दुरुपयोग की शिकायतें सामने आई थीं विशेषकर आउटडोर सेवाओं के नाम पर अनावश्यक रूप से बड़े-बड़े बिल बनाए जा रहे थे जो चिंता का विषय है। ऐसे मामलों में जांच के दौरान संबंधित सेवाओं को अस्थायी रूप से रोका गया लेकिन जहां भी गड़बड़ी नहीं पाई जाएगी, वहां सेवाएं पुनः शुरू कर दी जाएंगी। यदि कहीं वास्तविक अनियमितता या भ्रष्टाचार सामने आता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, लेकिन आम जनता की सुविधाओं को प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा।

सम्पादकीय

कहीं सत्ता पलटी, कहीं भरोसा बरकरार, बदल रहा है जनता का

चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों के जैसे नतीजे सामने आए हैं, उनसे साफ है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में जहां मतदाताओं ने बदलाव के पक्ष में मतदान किया, वहीं असम और पुडुचेरी में लोगों ने मौजूदा सरकार पर भरोसा कायम रखा। इसमें चौंकाने वाले नतीजे तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से आए, जहां चुनाव प्रचार के क्रम में बहुस्तरीय उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों के लिए यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल था कि सत्ताधारी पार्टियों का प्रदर्शन बेहद कमजोर हो सकता है। इन राज्यों में इतने बड़े उलटफेर की उम्मीद कम ही लोगों ने की थी। दरअसल, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार के प्रति दिखने वाला जनसमर्थन चुनाव और मतदान के मोर्चे पर उलट नतीजे देने वाला साबित हुआ। हालांकि राज्य में भाजपा ने जीत के लिए जिस स्तर पर जाकर मेहनत की, मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में लाने के लिए एक व्यापक रणनीतिक राजनीति पर काम किया और यहां तक भावनात्मक मुद्दों का भी सहारा लिया, उसका साफ असर मतगणना और नतीजों पर दिखा। जाहिर है, लंबे समय के बाद अब पश्चिम बंगाल एक और सत्ता परिवर्तन का गवाह बन रहा है, जहां विचारधाराओं का सफर क्रमशः बदलता दिखा है। वहीं तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व वाले द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) को लेकर बहुत कम लोगों ने यह अंदाजा लगाया होगा कि चुनाव के परिणाम में उसकी स्थिति इस कदर खराब रहेगी। गौरतलब है कि फिल्मों की दुनिया से तमिलनाडु की राजनीति में आकर हाल के वर्षों में उभरे और अपने प्रशंसकों के बीच थलापति के नाम से मशहूर जोसेफ विजय ने अपने पहले ही चुनाव में राज्य की राजनीति में बीते कुछ सालों से एकछत्र राज करने वाले नेता एमके स्टालिन और उनकी पार्टी द्रमुक को करारी शिकस्त दी। अब तमिलनाडु द्रमुक और अन्नाद्रमुक के इर्द-गिर्द घूमने वाली राजनीति के समांतर एक नए दौर में प्रवेश कर गया है। यह देखने की बात होगी कि आने वाले वर्षों में यह राज्य किस राजनीतिक धारा का केंद्र बनेगा। जहां तक केरल का सवाल है, तो वहां आमतौर पर वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड लोकतांत्रिक मोर्चे के बीच सत्ता में फेरबदल होता रहा है। इस लिहाज से देखें तो दो कार्यकाल के बाद वामपंथी मोर्चा सत्ता से बाहर हुआ है और अच्छी उपस्थिति के साथ कांग्रेस को महत्त्वपूर्ण जीत मिली है। इसके अलावा, असम में एक तरह से अपेक्षित नतीजे आए हैं, जहां भाजपा ने फिर से भारी जीत हासिल की है। यह तब भी संभव हुआ, जब राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के रुख को लेकर कई तरह के विवाद चुनाव प्रचार के केंद्र में रहे। इसी तरह, केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी के परिणामों के मुताबिक, वहां सत्तारूढ़ राजग गठबंधन ने एक बार फिर बहुमत हासिल कर अपनी सत्ता कायम रखी। कहा जा सकता है कि इन चुनावों में भाजपा ने जहां पश्चिम बंगाल, असम और पुदुचेरी में जीत हासिल कर अपनी उपस्थिति साबित की है, वहीं कांग्रेस भी केरल की जीत को अपनी बड़ी उपलब्धि बता सकती है। चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में एसआईआर के तहत करीब सत्ताईस लाख लोगों को मतदाता सूची से बाहर किए जाने को लेकर भी सवाल उठे। इसके बावजूद राज्य में मतदान का कीर्तिमान कायम हुआ।

बंगाल में भाजपा ने किया कमाल

पिछले एक दशक से चुनावी रुझानों का यह एक प्रमुख पहलू लगभग हर राज्य में दिखाई देता है कि हिंदुत्व, संस्कृति और धार्मिक पहचान के प्रति हिंदुओं के एक व्यापक पुनर्जागरण ने एक स्थायी मतदाता आधार का निर्माण किया है। यह आधार ऐसा है, जो संतुष्टि, असंतोष या आंशिक नाराजगी के बावजूद किसी न किसी रूप में भाजपा या उसके सहयोगी दलों के पक्ष में झुकाव बनाए रखता है और कई बार उसकी अनुपस्थिति में वैचारिक रूप से निकट दलों की ओर भी स्थानांतरित हो जाता है। यह प्रवृत्ति पांचों राज्यों के चुनावों में भी देखने को मिली। भाजपा स्थानीय और क्षेत्रीय मुद्दों को उठाने के साथ-साथ चुनावी विमर्श को राष्ट्रीय विषयों से जोड़ने की रणनीति अपनाती रही है। इससे मतदाताओं के साथ उसका सीधा भावनात्मक और वैचारिक संवाद स्थापित होता है। भाजपा ने बंगाल और असम में राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसांख्यिकीय संतुलन जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उभारा, जो चुनावी एजेंडे के केंद्र में रहे। मोदी सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तीकरण से जुड़े कार्यक्रमों ने भी चुनावी माहौल को प्रभावित किया। इन्होंने महिला मतदाताओं के बीच एक सकारात्मक संदेश देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वास्तव में बंगाल के परिणाम ने केवल उन्हें ही चौंकाया है, जो जमीनी सच्चाई के साथ मतदाताओं और विशेष रूप से हिंदुओं के बड़े वर्ग के अंदर बदलाव की छटपटाहट को महसूस नहीं कर रहे थे। तृणमूल

यदि पांच राज्यों-पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरलम, असम और पुडुचेरी के चुनाव परिणामों को समग्र रूप में देखा जाए, तो एक व्यापक तस्वीर उभरती है। इस तस्वीर में दो घटनाएं विशेष रूप से ऐतिहासिक प्रतीत होती हैं-बंगाल में भाजपा की उल्लेखनीय बढ़त और तमिलनाडु में थलापति विजय की पार्टी टीवीके का प्रभावशाली प्रदर्शन। हालांकि असम में भाजपा की लगातार तीसरी जीत भी महत्वपूर्ण है, लेकिन बंगाल और तमिलनाडु की घटनाएं राजनीतिक दृष्टि से अधिक दूरगामी प्रभाव वाली हैं। बंगाल में एक बड़े मुस्लिम मतदाता वर्ग के तृणमूल कांग्रेस के संगठित समर्थन के बावजूद भाजपा की बढ़त सामान्य घटना नहीं।

वैसे तो असम में भी उल्लेखनीय मुस्लिम आबादी के बावजूद भाजपा की जीत ने कई स्थापित राजनीतिक मिथकों को तोड़ा है, पर असम और बंगाल की राजनीति के स्वरूप और सत्ता संरचना में मौलिक अंतर है। बंगाल में ममता बनर्जी ने जिस प्रकार का राजनीतिक माहौल और सत्ता संरचना विकसित की थी, उसमें किसी अन्य दल के लिए प्रभावी चुनौती पेश करना कठिन था। ऐसे में भाजपा की यह सफलता केवल चुनावी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक बड़े परिवर्तन का संकेत है कि बंगाल की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पिछले एक दशक से चुनावी रुझानों का यह एक प्रमुख पहलू लगभग हर राज्य में दिखाई देता है कि हिंदुत्व, संस्कृति और धार्मिक पहचान के प्रति हिंदुओं के एक व्यापक पुनर्जागरण ने एक स्थायी मतदाता आधार का निर्माण किया है। यह आधार ऐसा है, जो संतुष्टि, असंतोष या आंशिक नाराजगी के बावजूद किसी न किसी रूप में भाजपा या उसके सहयोगी दलों के पक्ष में झुकाव बनाए रखता है और कई बार उसकी अनुपस्थिति में वैचारिक रूप से निकट दलों की ओर भी स्थानांतरित हो जाता है।

यह प्रवृत्ति पांचों राज्यों के चुनावों में भी देखने को मिली। भाजपा स्थानीय और क्षेत्रीय मुद्दों को उठाने के साथ-साथ चुनावी विमर्श को राष्ट्रीय विषयों से जोड़ने की रणनीति अपनाती रही है। इससे मतदाताओं के साथ उसका सीधा भावनात्मक और वैचारिक संवाद स्थापित होता है। भाजपा ने बंगाल और असम में राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसांख्यिकीय संतुलन जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उभारा, जो चुनावी एजेंडे के केंद्र में रहे। मोदी सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तीकरण से जुड़े कार्यक्रमों ने भी चुनावी माहौल को प्रभावित किया। इन्होंने महिला मतदाताओं के बीच एक सकारात्मक संदेश देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वास्तव में बंगाल के परिणाम ने केवल उन्हें ही चौंकाया है, जो जमीनी सच्चाई के साथ मतदाताओं और विशेष रूप से हिंदुओं के बड़े वर्ग के अंदर बदलाव की छटपटाहट को महसूस नहीं कर रहे थे। तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल की सत्ता और पूरी राजनीति को निहित स्वार्थी तत्वों के हाथों में सौंप दिया था। इससे कट्टरपंथी तत्वों को मिले प्रत्यक्ष-परोक्ष संरक्षण और प्रोत्साहन के कारण पूरे प्रदेश में सांप्रदायिक भय और तनाव की स्थिति में कायम हो गई थी। वे कहने लगे थे कि मतदाता अपनी इच्छा से नहीं, तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की चाहत से मतदान करें या घर बैठें, अन्यथा हिंसा, दमन, उत्पीड़न और पलायन का दंश झेलें।

'साइलेंट रिगिंग' बंगाल की मुख्य चुनावी प्रवृत्ति रही है। पहले इसी रास्ते वाम मोर्चा ने लगातार जीत सुनिश्चित की और फिर ममता ने भी अपनी पूरी पार्टी को उससे ज्यादा हिंसक और दमनकारी तत्वों में परिणत कर दिया। पलायन या हिंसा की सर्वाधिक शिकार महिलाएं होती हैं। इसी कारण इनका बहुत बड़ा मत तृणमूल के बजाय भाजपा को गया। जो लोग भाजपा पर हिंदुओं के ध्रुवीकरण का आरोप लगा रहे हैं, वे सतही विश्लेषण कर रहे हैं। वास्तव में बंगाल में राजनीतिक संघर्ष वास्तविक लोकतंत्र की पुनर्स्थापना तथा सत्ता संस्कृति को सर्वसमावेशी बनाने का था। यह जिम्मेदारी मुख्यतः प्रदेश के हिंदुओं को ही लेनी थी। हिंदुओं के अंदर अगर यह भाव पैदा हुआ कि इस सरकार के रहते हमारा अस्तित्व संकट में है, तो इसके कारण अत्यंत गहरे हैं।

बांग्लादेश की हिंसक घटनाओं ने हिंदुओं के इस मनोविज्ञान को सशक्त किया कि हमें कुछ हद तक जान की बाजी लगानी होगी। इसके अलावा एसआइआर में मृत, संदिग्ध और स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने के कारण फर्जी मतदाताओं का खेल खत्म हो गया। सवा दो लाख केंद्रीय बलों की उपस्थिति, चुनाव के बाद भी सुरक्षा बलों के बने रहने की घोषणा, दूसरे राज्यों के अधिकारियों की चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्ति, प्रदेश के अधिकारियों का व्यापक पैमाने पर स्थानांतरण या चुनाव प्रक्रिया तक कार्य मुक्ति तथा चुनावी हिंसा वाले चिह्नित व्यक्तित्वों के विरुद्ध कार्रवाई एवं सतर्क दृष्टि आदि ने भय और संशयग्रस्त मतदाताओं के अंदर सुरक्षा को लेकर आश्वस्त किया, जिससे चुनावी माहौल में बड़ा परिवर्तन आया।

कहानी

जादू की केतली

जापान में ये ख़याल आम है कि भूत-प्रेत अक्सर बिल्ली, लोमड़ी या बिज्जू की शक्ल में फिरा करते हैं। बिल्ली और लोमड़ी वाले भूत तो ख़तरनाक समझे जाते हैं लेकिन बिज्जू वाला भूत किसी को सताता नहीं बल्कि वो हल्की-फुल्की शरारतें कर के लोगों का दिल बहलाता है और उन्हें ख़ुश करता और हँसाता है।

अक्सर ऐसा हुआ है कि किसी सुनसान सड़क से गुज़रने वाले मुसाफ़िर के कानों में पास के जंगल से ढोल बजने की आवाज़ें आने लगीं और जब मुसाफ़िर ने वहाँ जा कर देखा तो मालूम हुआ कि बिज्जू साहब अपने पिछले पैरों पर खड़े हुए शोर मचा रहे हैं, बेचारा मुसाफ़िर घबरा कर भागा और बिज्जू साहब क़हक़हा लगा कर हंस पड़े।

अब सुनो... एक था किसी मंदिर का पुरोहित और उसके पास थी एक ताँबे की केतली। उस केतली में पानी गर्म कर के वो चाय बनाया करता था। एक दिन जो वो चाय बनाने के लिए केतली उठाने चला तो देखता क्या है कि केतली में से एक सर झाँक रहा है और उसकी टोंटी में से बिज्जू के दो हाथ निकले हुए हैं पुरोहित ग़रीब बहुत डरा और अपनी झोंपड़ी की तरफ़ भागा मुँह फेर कर देखा तो वो केतली भी झूमती हुई उसके पीछे-पीछे चली आ रही थी।

पुरोहित जल्दी से भाग कर अपनी कुटी में घुस गया और अंदर से किवाड़ बंद कर लिए। फिर उसे अपनी केतली में से क़हक़हों की आवाज़ सुनाई दी थोड़ी देर बाद जब पुरोहित ने झाँका तो केतली ज़मीन पर रखी हुई थी और सर और हाथ सब ग़ायब थे। पुरोहित कुटी से निकला और डरते-डरते केतली को उठाया और उसे एक बक्स के अंदर बंद दिया।

अगले दिन एक ठटेरा उस गाँव से गुज़रा जहाँ पुरोहित रहता था पुरोहित ने सोचा लाओ इसके हाथ वो केतली बेच क्यों न डालें, ऐसी चीज़ घर में नहीं रखनी चाहिए, ख़ुदा जाने क्या नुक़्सान पहुँचा दे, जब ठटेरा उसकी तरफ़ आया तो पुरोहित ने वो केतली उसे दिखाई और औने-पौने दामों में उसके हाथ फ़रोख़्त कर दी।

उधर ठटेरा चंद टकों में इतनी उम्दा केतली लेकर बहुत ख़ुश हुआ, इधर पुरोहित सोचने लगा कि आज ठटेरे को ख़ूब उल्लू बनाया।

केतली पर तो तुम जानो बिज्जू का क़बज़ा था ही, वो भला कब अपनी हरकतों से बाज़ आने वाला था, रात को जब ठटेरा सो रहा था तो उस बोरे में से जिसमें उसने केतली रख छोड़ी थी तरह-तरह की आवाज़ें निकलनी शुरू हुईं। ठटेरे की आँख खुल गई, वो बहुत हैरान हुआ कि ये आवाज़ें कैसी हैं। उठ कर बोरे को खोला तो वो पुरोहित वाली केतली बोरे से निकल कर नाचने लगी। केतली के मुँह में से बिज्जू का मुँह और उसकी टोंटी में से उसके दोनों हाथ निकले थे।

ठटेरा ये तमाशा देख कर डरा नहीं बल्कि वो बिज्जू की हरकतों पर बहुत हंसा, फिर उसे ख़याल आया कि ये तो बड़ी दिलचस्प चीज़ है, ऐसी अजीब केतली किस ने देखी होगी, लाओ इसका नाम जादू की केतली रख दें और इसका तमाशा दिखा कर रुपय कमाएँ। ठटेरे के काम में तो कुछ पल्ले नहीं पड़ता, केतली के तमाशे से पेट भर खाना तो मिल जाया करेगा।

आख़िर ठटेरे ने बिज्जू केतली को तरह-तरह के हँसने-हंसाने वाले करतब सिखा कर फेरी लगानी शुरू की, इस केतली का तमाशा जो देखता हंसते-हंसते लौट जाता। ठटेरा दूर-दूर मशहूर हो गया, उसका तमाशा लोग बड़े शौक़ से देखते थे, जहाँ जाता हज़ारों आदमियों की भीड़ लग जाती, उसकी बिज्जू केतली करतब दिखाती रस्सी पर चलती, दरख़्तों पर चढ़ती वहाँ से कूदती और जापानी गत्तों पर नाचती। नवाबों और राजाओं की तरफ़ से उसको बुलावे आने लगे और वो बड़े-बड़े महलों और हवेलियों में जा कर अपनी मशहूर केतली का तमाशा दिखाने लगा। होते-होते ठटेरा ख़ुश-हाल हो गया और बहुत आराम और आसाइश से ज़िंदगी बसर करने लगा और काफ़ी रूपया उसने जमा कर लिया। अब उसे केतली लिए फिरना और घर-घर के फेरे लगाना अच्छा नहीं मालूम होता था। आख़िर ठटेरे ने, ताँबे-पीतल के बर्तनों की एक बड़ी सी दुकान ली।

राष्ट्रीय राजनीति को बदलने वाले नतीजे

यह दर्शाता है कि राज्य की राजनीतिक हवा कांग्रेस के कितने विपरीत रही, जिसकी पुष्टि न केवल घटी हुई सीटों, बल्कि गौरव गोगोई जैसे नेता की हार में भी झलकती है, जिनके चेहरे पर पार्टी चुनाव लड़ रही थी। केरलम में दस साल से वामपंथी सरकार सत्ता में थी, जिसने पिछले विधानसभा चुनाव में हर पांच साल में सरकार बदलने वाले राज्य के राजनीतिक रुझान को धता बताते हुए सत्ता में वापसी की थी। इसलिए यहां राजनीतिक परिवर्तन अवश्यंभावी माना जा रहा था। भाजपा यहां राजनीतिक पैठ बढ़ाने के प्रयास तो भरपूर कर रही है, पर वे फलीभूत नहीं हो पा रहे। वैसे भाजपा के इन प्रयासों की कीमत वाम दलों को चुकानी पड़ी, क्योंकि वह दक्षिण केरल और हिंदुओं विशेषकर एझावा जैसे उन समुदायों को साधने की जुगत में है, जो पारंपरिक रूप से वाम समर्थक माने जाते हैं। इसीलिए, केरलम की राजनीतिक लड़ाई में

चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनाव परिणाम मिले-जुले रहे। असम, केरलम और पुडुचेरी के परिणाम अनुमानों के अनुरूप रहे तो पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के नतीजे अप्रत्याशित एवं नाटकीय राजनीतिक परिवर्तन को रेखांकित कर रहे हैं। असम के बारे में माना जा रहा था कि भाजपा सत्ता में वापसी करने में सफल रहेगी तो केरलम में कांग्रेस को कामयाबी मिलेगी। पुडुचेरी में भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की राह में कोई मुश्किल नहीं दिख रही थी। दो बड़े चुनावी राज्यों में से एक तमिलनाडु में नई-नवेली पार्टी टीवीके की भारी जीत ने राजनीतिक पंडितों को भी हैरान किया तो बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत ने लंबे समय से कायम ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया। इन दोनों बड़े राज्यों में भारी राजनीतिक उलटफेर हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में असम भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व वाले राज्य के रूप में उभरा है। लगातार सत्ता में रहने के बावजूद उसकी सीटों में बढ़ोतरी दर्शाती है कि जनता सरकार के कामकाज से काफी संतुष्ट है। 2023 में विधानसभा क्षेत्रों के नए सिरे से परिसीमन ने भी भाजपा की राजनीतिक ताकत बढ़ाई है। बोडोलैंड में सहयोगी दलों और असम गण परिषद के साथ ने भी पार्टी को मजबूती दी। कल्याणकारी योजनाओं और मुख्यमंत्री हिमंत की लोकप्रियता भी उसके पक्ष में जाती है। दूसरी ओर कांग्रेस सांगठनिक स्तर पर एकदम लुंज-पुंज हो गई है। चुनावों के दौरान ही उसकी राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष के अलावा प्रचार अभियान समिति के प्रमुख जैसे दो दिग्गज नेता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। यह दर्शाता है कि राज्य की राजनीतिक हवा कांग्रेस के कितने विपरीत रही, जिसकी पुष्टि न केवल घटी हुई सीटों, बल्कि गौरव गोगोई जैसे नेता की हार में भी झलकती है, जिनके चेहरे पर पार्टी चुनाव लड़ रही थी। केरलम में दस साल से वामपंथी सरकार सत्ता में थी, जिसने पिछले विधानसभा चुनाव में हर पांच साल में सरकार बदलने वाले राज्य के राजनीतिक रुझान को धता बताते हुए सत्ता में वापसी की थी। इसलिए यहां राजनीतिक परिवर्तन अवश्यंभावी माना जा रहा था। भाजपा यहां राजनीतिक पैठ बढ़ाने के प्रयास तो भरपूर कर रही है, पर वे फलीभूत नहीं हो पा रहे। वैसे भाजपा के इन प्रयासों की कीमत वाम दलों को चुकानी पड़ी, क्योंकि वह दक्षिण केरल और हिंदुओं विशेषकर एझावा जैसे उन समुदायों को साधने की जुगत में है, जो पारंपरिक रूप से वाम समर्थक माने जाते हैं। इसीलिए, केरलम की राजनीतिक लड़ाई में कांग्रेस के लिए कोई खास मुश्किल नहीं थी। केरलम से विदाई के बाद अब किसी भी राज्य में वामपंथी दलों की सरकार नहीं रह गई है। बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर भले ही कुछ राजनीतिक प्रेक्षक हैरानी जताएं, लेकिन राज्य की सत्ता तक उसकी पहुंच बस समय की ही बात थी। वर्ष 2019 से हो रहे चुनावों के समय से ही भाजपा करीब 40 प्रतिशत मतों के स्तर पर अटकी थी और इसमें पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी उसे राज्य की कमान दिलाने को पर्याप्त थी। यह चुनाव उसके सत्तारोहण का पड़ाव बनकर उभरा। मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की भूमिका को भी भाजपा की चुनावी जीत में एक कारक माना जा सकता है, लेकिन यही इकलौता कारण नहीं रहा। राज्य की ममता बनर्जी सरकार लंबे समय से कायम सत्ता से उपजे असंतोष से भी जूझ रही थी। विभिन्न योजनाओं को लेकर केंद्र के साथ उनका टकराव भी एक वर्ग को अखर रहा था कि राज्य को इसके चलते अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहे हैं। ममता बनर्जी की निजी लोकप्रियता के बावजूद उन्हें सबसे अधिक दुष्परिणाम अपने स्थानीय कार्यकर्ताओं के मनमानेपन और बड़बोलेपन का ही भुगतना पड़ा, जो लोगों को आतंकित करने के साथ ही उनके दैनंदिन जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप भी करते थे।

अपेक्षित और अप्रत्याशित

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में से जहां असम, केरलम और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के परिणाम अपेक्षा के अनुरूप सिद्ध हुए, वहीं पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के नतीजे अप्रत्याशित रहे। बंगाल और तमिलनाडु के नतीजों ने इसलिए चौंकाया, क्योंकि जहां बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के सत्ता विरोधी माहौल का सामना करने के बाद भी इसकी आशा शायद ही किसी को रही हो कि उसके लिए सौ सीटों तक पहुंचना भी कठिन हो जाएगा और भाजपा दो सौ सीटों के निकट पहुंच जाएगी, वहीं तमिलनाडु में नए बने दल टीवीके के बारे में कम ही लोगों ने कमजोर सा अनुमान लगाया था कि वह सत्ता के निकट पहुंच जाएगी। बंगाल में ममता बनर्जी और

तमिलनाडु में स्टालिन की पराजय यह बताती है कि जो क्षेत्रीय नेता अपनी सत्ता को खुद की निजी जागीर में बदल लेते हैं, उन्हें जनता अधिक समय तक सहन नहीं करती। तमिलनाडु में टीवीके के जोसेफ विजय ने वह कर दिखाया, जो एक समय आंध्र में एनटी रामाराव और दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने किया था-पहली बार में ही बंपर जीत। विजय की जीत का महत्व इसलिए भी है कि उन्होंने छह दशक बाद द्रविड़ दलों को तमिलनाडु की सत्ता से बाहर कर दिया। बंगाल में भी भाजपा ने कांग्रेस, वाम दलों के लंबे शासन के बाद 15 वर्षों तक शासन करने वाली तृणमूल कांग्रेस को बाहर का दरवाजा दिखा दिया। बंगाल में प्रचंड जीत के साथ ही भाजपा ने पूर्वोत्तर के साथ पूर्वी भारत पर बढ़त हासिल कर ली बंगाल में जो राजनीतिक लड़ाई कांटे की मानी जा रही थी, उसमें भाजपा की इतनी बड़ी जीत यह बताती है कि ममता का शासन कुशासन का पर्याय बन गया था और मुस्लिम तुष्टीकरण की उनकी राजनीति एवं बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ की गंभीर समस्या की अनदेखी ने बहुसंख्यक समुदाय को भाजपा के पक्ष में एकजुट करने का काम किया। भाजपा के पूर्व संस्करण जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के गृह राज्य में भाजपा की जीत ने यह भी रेखांकित किया कि उसके विस्तार और बढ़ते प्रभाव का सिलसिला तेज होने वाला है। इस जीत ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ गृहमंत्री अमित शाह के कद को और अधिक बढ़ाने का काम किया है।

अहमद खान की अनटाइटल्ड जॉम्बी एंटरटेनर में हुई शनाया कपूर की एंट्री

निर्देशक अहमद खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म के बाद अहमद एक जॉम्बी कॉमेडी फिल्म पर काम करेंगे। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ लीड हीरो के रोल में नजर आएंगे और उनके अपोजिट इस बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री हो चुकी है।

कौन होगी इस फिल्म में टाइगर की हीरोइन

इस जॉम्बी कॉमेडी फिल्म का निर्देशन अहमद खान करेंगे। फिल्म के निर्माता फिरोज नाडियाडवाला है। टाइगर श्रॉफ इस प्रोजेक्ट से जुड़ चुके हैं। अब मुख्य अभिनेत्री के तौर पर शनाया कपूर का नाम सामने आया है। हालांकि, फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म की बाकी डिटेल्स को अभी गुप्त रखा गया है।

शनाया कपूर ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से की थी। उसके बाद उन्होंने आदर्श गौरव के साथ सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' की है, जिसमें उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई। अब वह अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। वहीं, टाइगर श्रॉफ अभी फिल्म 'लग जा गले' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर और लक्ष्य मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शन्स के बैनर तले बन रही है।

अहमद खान की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल'

अहमद खान निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में 30 से ज्यादा बड़े कलाकार काम कर रहे हैं। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर और कई कलाकाल शामिल हैं। अहमद खान ने बताया कि इतनी बड़ी कास्ट को एक साथ मैनेज करना बहुत मुश्किल था। अभिनेताओं की डेट्स, बजट और बाकी जरूरतों को संभालना आसान नहीं रहा। फिर भी उन्होंने यह फिल्म पूरी की।

आयुष्मान खुराना ने केरल में शुरू की थ्रिलर फिल्म की शूटिंग?

कॉमेडी फिल्मों के बाद अब आयुष्मान खुराना गंभीर भूमिका में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'काला पानी' फेम समीर सक्सेना कर रहे हैं। फिल्म यश राज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स द्वारा बनाई जा रही है।

कब शुरू हुई फिल्म की शूटिंग

आयुष्मान की इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल की शुरुआत में चुपचाप शुरू हो गई थी। पूरी शूटिंग मई के अंत तक खत्म होने की उम्मीद है। अभी फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है। कहानी को गुप्त रखा गया है, लेकिन कथित तौर पर इस फिल्म में आयुष्मान एक आम आदमी की भूमिका निभा रहे हैं, जो अचानक एक खतरनाक और मुश्किल स्थिति में फंस जाता है। इस फिल्म में ज्यादातर सहायक कलाकार नए या कम जाने-माने हैं, जिससे कहानी ज्यादा यथार्थवादी लगेगी।

यश राज के साथ तीसरी फिल्म

यह आयुष्मान खुराना की यश राज फिल्म्स के साथ तीसरी फिल्म है। पहले वे 'दम लगा के हैशा' और 'मेरी प्यारी बिंदु' में काम कर चुके हैं। पोशम पा पिक्चर्स के लिए भी यह थ्रिलर रिलीज की पहली फिल्म है। पहले उन्होंने नेटफ्लिक्स पर 'मामला लीगल है' और 'होम शांति' जैसी फिल्में बनाई हैं।

आयुष्मान की आने वाली फिल्में

आयुष्मान खुराना इस साल काफी व्यस्त रहने वाले हैं। उनकी 'पति पत्नी और वो दो', 'उड़ता तीर' (सारा अली खान के साथ) और सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' भी रिलीज होने वाली हैं। यह तीनों ही फिल्में इस साल 2026 या फिर अगले साल 2027 में रिलीज होंगी।

बंद होगा एकता कपूर का 'नागिन 7'

टीवी की क्वीन कही जाने वाली निर्माता एकता कपूर ने अपने हिट सुपरनेचुरल शो नागिन 7 को लेकर एक अहम अपडेट साझा किया है। उन्होंने पुष्टि की है कि मौजूदा सीजन जल्द ही समाप्त होने वाला है और अगले साल इसे फिर से शुरू करने की योजना है। एकता कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में शो के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए स्पष्ट किया कि सीजन को समाप्त करने का फैसला आंशिक रूप से शेड्यूलिंग की वजह से लिया गया है। उन्होंने कहा, 'नागिन को लेकर कुछ अपडेट देने आई हूं। दोस्तों, मैंने कल एक पोस्ट किया था और मुझे एहसास नहीं था कि हम अचानक शो खत्म करने वाले हैं। लेकिन हां, चैनल के अनुरोध के कारण हमें अप्रैल में शो खत्म करना था। अब हम इसे मेरे जन्मदिन पर खत्म कर रहे हैं। नागिन के किसी भी सीजन की ऐसी योजना नहीं थी। यह सिर्फ 30 एपिसोड का होना था। लेकिन हमने इसे 48 एपिसोड तक बढ़ा दिया और फिर हम अगले साल वापस आएंगे।'

एकता ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक और वीडियो भी साझा किया। इसमें उन्होंने छोटे सीजन बनाने के अपने फैसले के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, 'नागिन को हर साल प्रसारित करने के लिए हमें छोटे सीजन बनाने चाहिए ताकि मुझे अपना सारा समय न देना पड़े और मैं बाकी कामों पर ध्यान दे सकूं। 'नागिन 7' का फिनाले एपिसोड अब 7 जून को टेलीकास्ट होगा। मौजूदा सीजन में प्रियंका चाहर चौधरी मुख्य भूमिका में हैं।

सुपर कॉप के रोल में फिर तबाही मचाएंगे रणदीप हुड्डा

रणदीप हुड्डा स्टारर सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' का पहला सीजन 2023 में आया था। इसके बाद से ही फैंस इसके दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे थे। अब मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का टीजर रिलीज कर फैंस की धड़कनें और बढ़ा दी है।

क्या है टीजर में खास

टीजर में रणदीप हुड्डा दबंग इंस्पेक्टर के रूप में नजर आ रहे हैं। कुछ सीन में वे बहरूपिया भी बनते दिखाई दिए हैं। टीजर में काफी दमदार डायलॉग्स बताए गए हैं। इनमें से एक है जिसमें रणदीप हुड्डा कहते हैं- 'जिंदगी और मृत्यु के बीच सिर्फ हमारी एक उंगली का फर्क है।' वहीं टीजर में कुछ इंटेंस सीन भी नजर आए हैं, जिनमें एक्टर दमदार एक्शन सीन करते नजर आए हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा- 'यूपी का महाकाल, इंस्पेक्टर अविनाश वापस आ रहे हैं। और इस बार होगा असली तांडव।'

कब रिलीज होगी सीरीज

सीरीज में रणदीप के अलावा उर्वशी रौतेला, रजनीश दुग्गल, अमित सियाल, सरगम सिंह, शालीन भनोट अहम किरदार में नजर आएंगे। सीरीज का निर्देशन नीरज पाठक कर रहे हैं। फिलहाल मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया है। सीरीज पिछले पार्ट से ज्यादा एक्शन पैक और इंटेंस बताई जा रही है। मेकर्स ने सीरीज के दूसरे सीजन 'इंस्पेक्टर अविनाश' का टीजर रिलीज कर दिया है। ये सीरीज हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

क्या साथ काम करेंगे अहान और आर्यन?

अहान पांडे ने फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में बतौर अभिनेता डेब्यू किया। वहीं शाहरुख के बेटे और निर्देशक आर्यन खान ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से निर्देशन में कदम रखा। क्या आर्यन खान की आने वाली किसी फिल्म में अहान पांडे काम कर सकते हैं? अहान पांडे और शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान, दोनों ने साल 2025 में मनोरंजन की दुनिया में कदम रखा। जहां अहान ने फिल्म 'सैयारा' से बतौर अभिनेता अपना धमाकेदार डेब्यू किया। वहीं आर्यन ने नेटफ्लिक्स सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिए निर्देशन में सफलता हासिल की। तो क्या अब दोनों एक साथ काम करेंगे?

बचपन की यादें और गहरा रिश्ता

हाल ही में एक इंटरव्यू में अहान ने आर्यन के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वे बचपन के दोस्त हैं। अहान ने एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया। दरअसल, आर्यन स्कूल से सीधे अहान के घर आ जाते थे। वह अपने माता-पिता (शाहरुख और गौरी खान) से मिलने से पहले अहान के घर वक्त बिताते थे। हालात, ऐसी थी कि खुद शाहरुख खान अहान को फोन करके पूछते थे कि आर्यन घर क्यों नहीं आए? जब अहान से पूछा गया कि क्या वह भविष्य में आर्यन के निर्देशन में काम करेंगे, तो उन्होंने कहा, 'वे दोनों एक बेहतरीन निर्देशक-अभिनेता की जोड़ी बन सकते हैं। अहान का मानना है कि उनके बीच एक 'वास्तविक बंधन' है, इसलिए साथ काम करना काम जैसा नहीं लगेगा। बचपन की दोस्ती की वजह से दोनों एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।

अहान के प्रोजेक्ट्स

अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' की बड़ी सफलता के बाद, अहान के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। 'सैयारा' के बाद अहान पांडे एक बार फिर से मोहित सूरी की अगली फिल्म में काम करेंगे। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में अहान के साथ अनीत पड्डा नजर आएंगी। इसे यशराज फिल्म्स बना रहा है। इसके अलावा अहान निर्देशक अली अब्बास जफर के साथ भी एक फिल्म में काम कर रहे हैं। यह एक एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म होगी।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम ने की कार्रवाई

जयपुर (कास)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार व पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की ओर से नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में बरकत नगर व आईआईएचएमआर विश्व विद्यालय सांगानेर से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 20 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 2 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में बरकत नगर एवं आईआईएचएमआर विष्वविद्यालय सांगानेर से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 2 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया

अमरसर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 86 किलो गांजा जब्त, अवैध खेती करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

अमरसर/जयपुर। जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन एंटी वेनम' के तहत अमरसर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध गांजा खेती का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से करीब 86.450 किलोग्राम गांजा जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद (आईपीएस) के निर्देशन एवं जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा रणवीर सिंह एवं वृत्ताधिकारी रामावतार के सुपरविजन में थानाधिकारी कमल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस को 17 मार्च 2026 को सूचना मिली थी कि अमरसर थाना क्षेत्र के नायकुवा की ढाणी, तन नायन में अवैध रूप से गांजे की खेती की जा रही है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां खसरा नंबर 2718, 2715 एवं 2720 में कुल 661 गांजे के हरे पौधे लगे मिले। इनका कुल वजन 86.450 किलोग्राम पाया गया, जिसे जब्त कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान राजस्व रिकॉर्ड एवं साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों–रामेश्वर सैनी (81 वर्ष), चंदा देवी (38 वर्ष) एवं तीजा देवी (63 वर्ष) को गिरफ्तार किया। सभी आरोपी मालियों का बास, तन नायन (थाना अमरसर) के निवासी बताए गए हैं। इस कार्रवाई में थानाधिकारी कमल सिंह के साथ उपनिरीक्षक शेरसिंह, कांस्टेबल मंजीत, राजेंद्र, राजकुमार एवं महिला कांस्टेबल प्रियंका ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस का कहना है कि जिले में नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस तरह की अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-17 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांकः 90A/JDA/2025-26/100622 दिनांकः 09/04/2026

लोक सूचना

श्रीमति MOHANI DEVI MEENA पत्नी श्री MADAN LAL MEENA जाति MEENA निवासी SARKARI SCHOOL KE PASS RAITHAL RAJ
श्रीमति KIRAN MEENA पत्नी श्री BIRBAL MEENA जाति MEENA निवासी SARKARI SCHOOL KE PASS RAITHAL RAJ
ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्रसं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हेक्टे.)	रूपांतरण क्षेत्रफल (हेक्टे.)
1.	दीपपुरा, रामपुरा डाबडी (जयपुर)	2) मोहनीदेवी पत्नि मदनलालमीणा हिस्सा 1/2 जाति मीणा निवासी ग्राम रायथल तहसील आमेर खातेदार (1.) किरणदेवी पत्नि बीरबलमीणा हिस्सा 1 / 2 जाति मीणा निवासी ग्राम रायथल तहसील आमेर खातेदार	161	0.38	0.38
				कुल	0.38

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90- क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो यह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी SSO ID से लॉग इन कर JDA के 90-A मॉड्यूल अथवा जे. डी.ए. पोर्टल (https//jda.rajasthan.gov.in/) पर विज्ञप्ति के विरुद्ध अपनी आपत्ति दर्ज करें।' Option में जाकर जारी सार्वजनिक सूचना के विरुद्ध अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज कराएं।

उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 09-04-2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी जोन-17
जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

झुंझुनूं में हीट स्ट्रोक से निपटने की पूरी तैयारी, अस्पतालों में बने कूलिंग जोन और विशेष वार्ड

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए जिले में हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक तैयारियां कर ली हैं। शहर के बीडीके हॉस्पिटल सहित जिले के प्रमुख अस्पतालों में कूलिंग जोन स्थापित किए गए हैं, जहां लू से प्रभावित मरीजों का उपचार किया जाएगा।
अस्पताल प्रशासन के अनुसार प्रत्येक प्रमुख केंद्र पर 10-10 बेड के विशेष वार्ड तैयार किए गए हैं। बीडीके अस्पताल के पीएमओ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि अस्पताल में स्पेशल इमरजेंसी के साथ हीट स्ट्रोक मरीजों के लिए अलग वार्ड आरक्षित किया गया है और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं।
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

(सीएमएचओ) डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट कर दिया गया है। दवाइयों और आईवी फ्लुइड का पर्याप्त स्टॉक रखा गया है। बीडीके अस्पताल के अलावा नवलगढ़, खेतड़ी, मलसीसर और चिड़ावा के अस्पतालों में भी 10-10 बेड के विशेष वार्ड बनाए गए हैं, जबकि सीएचसी और पीएचसी स्तर पर 5-5 बेड आरक्षित किए गए हैं। अस्पतालों में ट्रॉमा यूनिट और मेडिकल वार्डों के बाहर ओआरएस कॉर्नर स्थापित किए गए हैं, ताकि धूप से प्रभावित मरीजों को तुरंत राहत मिल सके। वहीं एम्बुलेंस सेवाओं को भी अपग्रेड किया गया है, जिसमें आइस पैक और विशेष तकनीक के जरिए मरीजों को अस्पताल पहुंचने से पहले ही ठंडक पहुंचाई जा रही है।

हर पांच में से एक मरीज गर्मी से प्रभावित

बीडीके अस्पताल में इन दिनों ओपीडी 3000 के पार पहुंच रही है, जिसमें करीब 20 प्रतिशत मरीज गर्मी, डिहाइड्रेशन और उल्टी-दस्त जैसी समस्याओं से पीड़ित होकर आ रहे हैं। बुजुर्गों और बच्चों को हाई रिस्क कैटेगरी में रखते हुए उनका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। डॉ. भाम्बू ने बताया कि तेज बुखार, सिरदर्द या चक्कर जैसे लक्षण दिखने पर लापरवाही न बरतें। मरीज को तुरंत छायादार स्थान पर लिटाकर ठंडा करने के उपाय करें और जल्द अस्पताल पहुंचाएं।

ऐसे करें लू से बचाव:

प्यास न लगने पर भी हर घंटे पानी पिएं
ओआरएस, छाछ, नींबू पानी और नारियल पानी का सेवन बढ़ाएं
धूप में निकलते समय सिर ढककर रखें
हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें
दोपहर 12 से 4 बजे के बीच जरूरी होने पर ही बाहर निकलें
स्वास्थ्य विभाग की इन तैयारियों का उद्देश्य बढ़ती गर्मी के बीच लोगों को समय पर उपचार और राहत उपलब्ध कराना है।

निःशुल्क लेंस प्रत्यारोपण शिविर में 61 रोगियों के नेत्र ऑपरेशन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। द यंग्स क्लब ऑफ सुजानगढ़ की ओर से प्रतापसिंह सिंघी की स्मृति में भामाशाह कमला सिंघी के सौजन्य से आयोजित हुए निःशुल्क नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का समापन मंगलवार को हुआ। क्लब के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा ने बताया कि उक्त शिविर में 61 नेत्र रोगियों के सफल लेंस प्रत्यारोपण नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अपूर्व कोटिया की ओर से डॉ मोहन जैन आई हॉस्पिटल में निःशुल्क किए गए। ऑपरेशन हुए रोगियों को निःशुल्क दवा व चश्मे दिए गए। इस अवसर पर समाजसेवी विमल पाटनी, क्लब प्रतिनिधि ललित सोनी, निर्मल बोकड़िया, हाजी मोहम्मद, योगेंद्र भोजक, कुणाल सोनी, मूलचंद तिवाड़ी, पूसाराम आदि मौजूद रहे।

गर्जन के साथ हुई बारिश, कई गांवों में ओले भी गिरे

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। क्षेत्र सोमवार की रात तेज गर्जन के साथ बारिश का दौर शुरू हुआ, जो रूक-रूककर करीब 20 मिनट तक चला। इस दौरान आकाशीय बिजली भी चमकी। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से गांव बछरारा व मालपुर सहित आसपास के कई गांवों में ओले भी गिरे। गांव बछरारा में नींबू के आकार के ओले गिरने से जनजीवन प्रभावित हुआ। क्षेत्र में बारिश होने मौसम खुशनुमा बन गया और आमजन को गर्मी से राहत मिली। वहीं मंगलवार की सुबह चटक धूप निकली।

धन्नासर प्लांट में शट-डाउन होने पर दो दिन पानी सप्लाई बंद

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर व ग्रामीण क्षेत्र में धन्नासर प्लांट में शटडाउन होने के कारण दो दिन मीठे पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद रहेगी। पिछले कुछ दिनों से नहरबंदी होने के कारण शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में एक दिन छोड़कर एक दिन शहरी क्षेत्र में व ग्रामीण क्षेत्रों में जलदाय विभाग की ओर से पानी की सप्लाई दी जा रही थी। लेकिन अब धन्नासर प्लांट में पानी की सप्लाई का पूर्णतया शटडाउन होने के कारण पानी की सप्लाई दो दिन पूरी बंद रहेगी। आपणी योजना कार्यालय जलदाय विभाग के अधिकारी रामदेव पारीक ने बताया कि जलदाय विभाग चूरू से मिली सूचना के अनुसार धन्नासर प्लांट से शटडाउन होने के कारण शहर व ग्रामीण क्षेत्र की सप्लाई दो दिन पूर्ण तैयार बंद रहेगी। वहीं पानी की सप्लाई धन्नासर प्लांट से गुरुवार तक वापस शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। अगर वहां पर रखरखाव का कार्य पूरा नहीं किया गया तो इस समय को बढ़ाया भी जा सकता है। वही पानी की समस्या को लेकर जलदाय विभाग की ओर से टैंकरों से पानी की सप्लाई की जा रही है। वहीं क्षेत्र के लोगों से सहयोग की अपील भी की गई है।

जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर ग्राम रथ अभियान का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर तहसील की ग्राम पंचायत अडसीसर व कंवलासर सहित 10 से 15 गांवों में ग्राम रथ अभियान को लेकर पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां द्वारा ग्रामीणों के बीच जाकर रथ का शुभारंभ किया। पूर्व मंत्री रिणवां ने सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं के ग्राम रथ में लगी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से ग्रामीणों के बीच में रहकर योजनाओं की जानकारी दी। राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजना हर उस व्यक्ति तक पहुंचे और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर ग्रामीण जनप्रतिनिधियों ने पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां सहित नेताओं का जोरदार स्वागत अभिनंदन किया। एसडीएम रामकुमार वर्मा ने ग्रामीणों को सरकार की अनेक योजनाओं की जानकारी देकर सरकार की योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने की अपील की। इस अवसर पर एसडीएम रामकुमार वर्मा, वीडिओ महेंद्र सोलंकी, राजवीर सिंह राठौड़, कंवलासर सरपंच प्रतिनिधि गौरी शंकर चोटिया, शाहरुख शर्मा, निरंजन धानका, एडवोकेट भगवती प्रसाद सांडेला, किशोर सिंह राठौड़, फुलाराम नाई, छगनलाल पूनियां, चुन्नीलाल सुथार, पामरा कालेरा, सीताराम स्वामी, भागाराम मेघवाल सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहें।

राजलदेसर में डिजिटल जनगणना की शुरुआत, 15 मई तक स्व-गणना का मौका

पोस्टर विमोचन से जागरूकता अभियान तेज, 16 मई से डोर-टू-डोर सर्वे शुरू होगा

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत नगर पालिका क्षेत्र राजलदेसर में मकान सूचीकरण व मकान गणना कार्य का शुभारंभ 1 मई से हो गया है। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से स्थानीय प्रशासन व जनप्रतिनिधियों की ओर से पोस्टर का विमोचन कर आमजन को जागरूक किया गया। अधिशाषी अधिकारी सहदेव दान चारण एवं चार्ज अधिकारी अक्षय शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार के निर्देशानुसार 1 मई से 15 मई तक नागरिकों के लिए ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध रहेगी। नागरिक इस पोर्टल पर अपनी आवश्यक जानकारी दर्ज कर एक यूनिक आईडी प्राप्त करेंगे, जिसे 16 मई से शुरू होने वाले डोर-टू-डोर सर्वे के दौरान प्रगणकों को दिखाना अनिवार्य होगा। पूर्व पालिका अध्यक्ष गोपाल मारू ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जनगणना जैसे राष्ट्रीय कार्य में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक जिम्मेदारी के साथ स्व-गणना प्रपत्र भरें, ताकि कस्बे का कोई भी मकान या परिवार इस प्रक्रिया से छूट न पाए। जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्रशासन की ओर से प्रगणकों व सुपरवाइजरों की तैयारियां भी तेज कर दी गई हैं। सुरेन्द्र सीगड़ ने जानकारी दी कि क्षेत्र के प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का त्रि-दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 7 से 9 मई तक रतनगढ़ स्थित लोहिया बालिका महाविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में दिलीप सोलंकी, प्रेम रतन नाई, महेंद्र मारू एवं जसवंत सिंह सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में आमजन से इस महत्वपूर्ण अभियान में सहयोग करने और समय पर स्व-गणना करने की अपील की।

मण्डावा में निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर आज

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। *फतेहपुर बस स्टैण्ड के निकट गोयनका चौक में बुधवार को सुबह नौ से दोपहर दो बजे तक मां सावित्री देवी एक्यूप्रेशर व इलेक्ट्रोपैथी का भव्य शुभारम्भ मंहत रोशननाथ जी महाराज की ओर से किया जाएगा। शिक्षाविद्द मनीषा सैनी ने बताया कि निः शुल्क चिकित्सा शिविर मेंडा0 अनुप कुमार सैनी, डा0 मनीषा सैनी सहित करीब आधा दर्जन चिकित्सकों की टीम शिविर में अपनी सेवाए देगे।*

रतनगढ़ में जनगणना 2027 की तैयारियां तेज

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। आगामी जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों के तहत रतनगढ़ स्थित राजकीय लोहिया कन्या महाविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण शिविर का दूसरे दिन मंगलवार को भी सफलतापूर्वक संचालन हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में फील्ड ट्रेनर्स की ओर से प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को मकान सूचीकरण और मकान गणना के तकनीकी व व्यावहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र के दौरान उपखंड अधिकारी (एसडीएम) मिथिलेश कुमार ने भी शिविर में पहुंचकर कार्मिकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसे पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और शुद्धता के साथ संपन्न करना प्रत्येक कार्मिक की जिम्मेदारी है। शिविर में फील्ड ट्रेनर्स ने जनगणना के उद्देश्यों, इसकी विशेषताओं और वैधानिक प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही एचएलओ (॥स्ह) फॉर्म भरने की प्रक्रिया एवं नजरी नक्शा तैयार करने के तरीके का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया, ताकि फील्ड कार्य के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि न हो। इस अवसर पर तहसील रतनगढ़ व राजलदेसर के चार्ज अधिकारी (तहसीलदार) सहित जनगणना प्रकोष्ठ के अन्य कार्मिक भी मौजूद रहे।

बाल भारती इंटरनल स्कूल में विधिक साक्षरता शिविर

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर व सचिव-जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चूरू के निर्देशानुसार विशेष अभियान के तहत बाल विवाह व घरेलू हिंसा निषेध ष्विधिक केम्प बाल भारती इंटरनल उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पीएलवी विजय पाल श्योराण ने बाल विवाह के दुष्परिणाम बताते हुए, बाल विवाह निषेध कानून व घरेलू हिंसा रोकथाम कानून की भी जानकारी दी। बच्चों को चाइल्ड हेल्प लाइन1098, नालसा हेल्प लाइन 15100, राजस्थान संपर्क पोर्टल टोल फ्री नंबर 181 का उपयोग जरूरत के समय करने के लिए बार-बार दोहरा कर याद करवाये। अध्यक्षता कर रही संस्था प्रधान मैना जानू ने विधिक जानकारी को जीवन में अपनाकर जरूरत पड़ने पर इसका उपयोग करने की अपील विद्यार्थियों से की।

नरेंद्र गुर्जर ने की बेडम से शिष्टाचार मुलाकात

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। प्रदेश सरकार के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम से सुजानगढ़ गुर्जर समाज के अध्यक्ष नरेंद्र गुर्जर ने शिष्टाचार भेंट की है। नरेंद्र गुर्जर ने बताया कि इस दौरान शिक्षा की गुणवत्ता, युवाओं के रोजगार, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ, ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहन देने और उन्हें मुख्यधारा में आगे बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं बनाने का किया आग्रह किया गया। गुर्जर ने बताया कि सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने पर भी विशेष चर्चा हुई। गुर्जर ने बताया कि समाज और सरकार के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को मजबूत करने की दिशा में भी हम लोगों ने कई अहम कार्य कर रहे हैं। साथ ही गृह राज्य मंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर, प्रदेश में शांति, सुरक्षा और विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

वेब साईट पर शहर के मास्टर प्लान के साथ भू-उपयोग की मिलेगी जानकारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। नगर परिषद सुजानगढ की प्लानिंग शाखा की ओर से शहरी प्रशासन व नागरिक सेवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के प्रयासो के तहत सुजानगढ का मास्टर प्लान अर्बन जीआईएस पोर्टल पर लोंच किया गया है। बीकानेर संभाग का यह पहला शहर जो वेबसाईट पर नगरीय क्षेत्र स्थित भूमियों का मास्टर डवलपमेंट प्लान के अनुसार भू-उपयोग की जानकारी देगा। सहायक नगर नियोजक उदय सिंह ने बताया कि नगरीय क्षेत्र स्थित भूमियों का मास्टर प्लान अनुसार भू-उपयोग व प्रस्तावित सड़को इत्यादि की जानकारी भूमि धारक लोकेशन के आधार पर प्राप्त कर सकेगें। यह पोर्टल राज्य के एकीकृत जी.आई.एस. सिस्टम राजधरा का उपयोग करके नागरिकों का सुजानगढ़ मास्टर प्लान 2036 के अनुसार भू-उपयोग की जानकारी ऑनलाईन प्रदान करेगा।

मंत्री ने किसान पृथ्वीसिंह को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सुजानगढ़ के किसान पृथ्वी सिंह शेखावत ने उद्यानिकी - डिजिटल खेती में चूरू जले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पृथ्वीसिंह शेखावत को ग्राम रथ यात्रा के दौरान गांव सहनाली छोटी में मंत्री अविनाश गहलोत ने सम्मानित किया। मंत्री गहलोत ने 25 हजार रू व प्रशस्ति पत्र शेखावत को प्रदान किया। इस अवसर पर चूरू विधायक हरलाल सारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा आदि मौजूद रहे। पृथ्वीसिंह ने बताया कि खेती में राज्य सरकार किसानों को खूब सहायता कर रही है।

चौधरी एम.एस.मैमोरियल कॉलेज तारानगर, चूरू

Run by - Starcity English Medium Management Samiti ,Taranagar

आवश्यकता

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् एवं यूजीसी तथा महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के नियमानुसार एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) हेतु शैक्षणिक और गैर शैक्षिणक स्टाफ की आवश्यकता निम्न प्रकार है :-
विभागाध्यक्ष 1 - सहायक प्रोफेसर गणित -01, भौतिकी -01, रसायन विज्ञान -01, जीव विज्ञान 01, वनस्पति विज्ञान -01, इतिहास - 01, भूगोल -01, राजनीति विज्ञान-01, अर्थशास्त्र 01 हिन्दी-01. अंग्रेजी -01, अंग्रेजी सम्प्रेषण कौशल -02, शिक्षा अध्ययन -04, भारतीय भाषा कौशल -01 स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा - 01, (अंशकालिक), कला शिक्षा - 01 (अंशकालिक).. कैरियर मार्गदर्शन तथा परामर्श -01 (अंशकालिक)।
योग्यता राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् एवं यूजीसी तथा महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के नियमानुसार होनी चाहिए। अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र दिनांक 10.05.2026 को ईमेल :- choudharyrajveer2007@gmail.com अथवा डाक द्वारा सचिव **STARCITY English Medium Management Samiti, Taranagar** (चौधरी एम.एस. मेमोरियल कॉलेज तारानगर, चूरू) तारानगर में भैजवाएं।
सचिव :- राजवीर सिंह 8209797408

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड चूरू

क्रमांक :- 287-307 दिनांक :- 28/04/2026

एकल स्त्रोत उपापन निविदा सूचना संख्या : 02 /2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील व जिला चूरु में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों (जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो) / विशिष्ट सेवा प्रदाताओं / विशिष्ट आपूर्तिकर्ताओं से निर्धारित प्रपत्र में टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा एकल स्त्रोत उपापन निविदा आमंत्रित की जाती है।
NIB No. PWD2627A0247

S.No.	UBN NO.
1.	PWD2627WSOB01117

(ऋतिक सांखला)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड चूरू

अपील की सुनवाई के लिए नियत दिन की प्रत्यर्थी को सूचना

(आदेश 41 के नियम 14)

नामः न्यायालय जिला कलक्टर, चूरू

थान सिंह विरूद्ध तहसीलदार सरदारशहर, चोरू खा आदि

अपील विरूद्ध निर्णय
अपील नंबर 2025 / 487

9. भाभ खा पुत्र नामालूम जाति मिरासी निवासी हरियासर घड़सोतान तहसील सरदारशहर जिला चूरू
10. रहमत बानो जाति मिरासी निवासी हरियासर घड़सोतान तहसील सरदारशहर जिला चूरू
11. नजमा बानो जाति मिरासी निवासी हरियासर घड़सोतान तहसील सरदारशहर जिला चूरू
12. मोनिका जाति मिरासी निवासी हरियासर घड़सोतान तहसील सरदारशहर जिला चूरू
13. सरोज जाति मिरासी निवासी हरियासर घडसोतान तहसील सरदारशहर जिला चूरू
14. ममता जाति मिरासी निवासी हरियासर घड़सोतान तहसील सरदारशहर चूरू
15. रमेश कुमार जाति मिरासी निवासी हरियासर घड़सोतान तहसील सरदारशहर जिला चूरू
16. शंकर भार्मा जाति मिरासी निवासी हरियासर घड़सोतान तहसील सरदारशहर जिला चूरू

प्रत्यथीगण

आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में उपरोक्त की निर्णय की अपील अपीलांट द्वारा उपस्थिति की गई, इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा तारीख 07 माह 05 सन् 2026 नियत की गई है।यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर यस आपके लिए कार्य करने के लिए विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसजांत नही होगा ताक्रयह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जावेगी । यह आज तारीख 05 माह 05 सन 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दी गई है।

आज्ञा से
न्यायालय जिला कलक्टर,
जिला चूरू

सुमेरपुर के पोयणा गांव में झूलते बिजली तार बने खतरा, शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं

हनुमान गली में महीनों से लटकी लाइनें; डीजे शोभायात्रा के दौरान बड़ा हादसा टला

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर (पाली)। पाली जिले के सुमेरपुर क्षेत्र के पोयणा गांव स्थित हनुमान गली में झूलती बिजली लाइनें लोगों के लिए जानलेवा खतरा बन गई हैं। महीनों से क्षतिग्रस्त और नीचे लटकते तारों के बावजूद विद्युत विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार गली में सिंगल फेस बिजली लाइन कई स्थानों से क्षतिग्रस्त है और तार इतने नीचे झूल रहे हैं कि बड़े वाहन कभी भी इनके संपर्क में आ सकते हैं। रोजाना राहगीर जान जोखिम में डालकर यहां से गुजरने को मजबूर हैं। हाल ही में निकली एक डीजे शोभायात्रा के दौरान स्थिति बेहद गंभीर हो गई थी, जब ऊंचे वाहन और झूलते तार आमने-सामने आ गए। ग्रामीणों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया, लेकिन खतरा अब भी बरकरार है। ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या को लेकर कई बार संबंधित डिस्कॉम अधिकारियों को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इतना ही नहीं, जब स्थानीय स्तर पर अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो लगातार फोन तक नहीं उठाए गए, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

हर पल बना रहता है हादसे का डर:

हनुमान गली में झूलते तार 'करंट के जाल' में तब्दील हो चुके हैं। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यहां से गुजरना जोखिम भरा हो गया है। बरसात या तेज हवा की स्थिति में यह खतरा और बढ़ सकता है।

जवाबदेही तय करने की मांग

ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल झूलते तारों को दुरुस्त कर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। चेतावनी दी गई है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ और कोई हादसा होता है, तो इसकी जिम्मेदारी विभाग की होगी।

प्रशासन की भूमिका पर टिकी नजरें:

जनसुरक्षा से जुड़े इस गंभीर मामले में अब ग्रामीणों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं। लोगों का कहना है कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि त्वरित कार्रवाई की जरूरत है, ताकि किसी अनहोनी से पहले हालात सुधारे जा सकें।

भूतेश्वर मंदिर परिसर में बांधे परिंडे

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। नया दर्शन संस्था की ओर से बसेड़ी स्थित भूतेश्वर मंदिर परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे बांधे गए। इस अवसर पर थाना प्रभारी बाड़ी देवेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि न्याय दर्शन संस्था की ओर से प्रतिवर्ष बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे बांधने का कार्य किया जा रहा है। जो बहुत ही पुनीत कार्य है उन्होंने कहा कि न्याय दर्शन संस्था की ओर से खासकर ऐसे स्थान पर परिंडे बांधे जाते हैं जहां आसानी से नियमित रूप से इनमें पानी भरा जा सके। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे अपने घर आंगन में भीषण गर्मी के समय परिंडे जरूर लगाए जिससे गर्मी के समय पानी के अभाव में किसी पक्षी की जान ना जाएं। इस अवसर पर न्याय दर्शन संस्था के अध्यक्ष चंद्रमोहन पाराशर एडवोकेट ने कहा कि संस्था की ओर से प्रतिवर्ष परिंडे बांधने का कार्य किया जाता है। संस्था निःशुल्क परिंडे भी वितरित करती है। जिससे लोग अपने घर में बांध सकें। इस अवसर पर आचार्य आकाश लावण्या अविनाश पाराशर मनोज पाराशर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दो दिवसीय दौरे पर मंत्री जोराराम कुमावत

विकसित ग्राम 2026' रथ यात्रा में जनसंवाद और गौ-पूजन कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। पशुपालन, डेयरी, गोपालन व देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत 6 व 7 मई को पाली जिले के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे 'विकसित ग्राम 2026' रथ यात्रा के तहत विभिन्न गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद करेंगे और विकास योजनाओं की जानकारी देंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री कुमावत 6 मई को साकदड़ा, डरी और मणिहारी में आयोजित रथ यात्रा कार्यक्रमों में भाग लेंगे तथा मणिहारी में संध्या चौपाल के जरिए ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे। रात्रि विश्राम भी मणिहारी में रहेगा। 7 मई को वे कोलीवाड़ा स्थित श्रीराम गौशाला में गौ-पूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद सुमेरपुर पहुंचकर अपने जन्मदिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगे और विधायक कार्यालय में आमजन व कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं और क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। मंत्री का यह दौरा ग्रामीण विकास योजनाओं को गति देने के साथ जनसंवाद को मजबूत करने पर केंद्रित रहेगा।

गलोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट में एमओयू करने के लिए इच्छुक उद्यमियों को किया आमंत्रित

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। राज्य सरकार की ओर से आयोजित किए जा रहे 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026' के तहत एग्रो प्रोसेसिंग, माइक्रो इगिगेशन, संरक्षित खेती, कोल्ड चैन व उद्यानिकी आधारित अन्य औद्योगिक इकाईयाँ स्थापित करने के इच्छुक जालोर जिले के उद्यमियों से राजस्थान सरकार के साथ एमओयू करने के लिए आमंत्रित किया गया हैं। उद्यान विभाग के उप निदेशक लक्ष्मीनारायण यादव ने बताया कि इच्छुक उद्यमियों को राज निवेश पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाना आवश्यक है। जिले में ड्रिप, मिनी फव्वारा व फव्वारा सिंचाई संयंत्र निर्माण उद्योग की स्थापना में रूचि रखने वाले उद्यमी राज निवेश पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। उद्यानिकी आधारित निवेश से जिले में विकास की नई संभावनाएँ बढ़ेगी तथा रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की ओर से एमओयू करने से पूर्व निवेशकों की प्रमाणिकता एवं पूर्व अनुभव की गहन जाँच की जायेगी तथा पूर्व का अनुभव रखने वाले उ़द्यमियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

6 साल से फरार हार्डकोर अपराधी शेरखान मेव गिरफ्तार, 37 संगीन मामलों में था वांछित

जयपुर टाइम्स

दूदू(निस)। थाना दूदू पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए पिछले 6 साल से फरार चल रहे हार्डकोर अपराधी शेरखान मेव को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था और उसके खिलाफ विभिन्न राज्यों में कुल 37 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। आरोपी शेरखान मेव मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले का निवासी है और दूदू थाना क्षेत्र के एक पुराने धोखाधड़ी के मामले में वांछित था। जानकारी के अनुसार वर्ष 2020 में दर्ज एक प्रकरण में आरोपी ने ट्रक में लदे लाखों रुपए कीमत के ऑटो पार्ट्स को हड़प लिया था। इस मामले में पुलिस ने पहले भी अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन शेरखान लगातार फरार चल रहा था। पुलिस टीम को सूचना मिली कि आरोपी गंगानगर जिला कारागृह में बंद है। इसके बाद प्रोडक्शन वारंट के जरिए उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ डकैती, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, जबरन वसूली और आर्म्स एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं।

नाम परिवर्तन

मै महावीर प्रसाद पुत्र पूनम चंद जाट निवासी ढ़ाणी कालेरा सरदारशहर शपथ पूर्वक बयान करता हूं कि मेरे पुत्र मूलचन्द का स्कूल में कक्षा 5 की अंकतालिका व टीसी में भूलवश कमलेश नाम दर्ज हो गया था। मेरे पुत्र का सभी दस्तावेजों में नाम मूलचन्द व माता का नाम सुमन एवं पिता का नाम महावीर प्रसाद सही व सत्य है। भविष्य में इस पर कोई संज्ञान लिया जाएगा तो समस्त जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।

पता - महावीर प्रसाद पुत्र पुनम चन्द जाट निवासी ढ़ाणी कालेरा सरदारशहर चूरू राजस्थान

हत्या के आरोप निकले झूठे, मेडिकल-एफएसएल रिपोर्ट में स्वाभाविक मौत की पुष्टि

सिंदरू गांव का चर्चित मामला पलटा; जांच में हिंसा के कोई सबूत नहीं

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(पाली)। शहर के निकटवर्ती सिंदरू गांव में हत्या के एक चर्चित मामले ने जांच के बाद पूरी तरह नया मोड़ ले लिया है। जिस घटना को हत्या बताकर एक व्यक्ति को आरोपी बनाया गया था, वह मेडिकल बोर्ड और एफएसएल जांच में स्वाभाविक मृत्यु निकली। इससे मामले की सच्चाई सामने आने के साथ ही झूठे आरोपों का भी खुलासा हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंदरू निवासी भंवरलाल कुमावत पर उनके काका दीपाराम की हत्या का आरोप लगाया गया था। यह आरोप देवाराम कुमावत सहित कुछ ग्रामीणों द्वारा आपसी रंजिश के चलते उपखंड मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज कराया गया था। आरोपों के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी और मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी थीं। भंवरलाल कुमावत ने बताया कि उनके काका दीपाराम 'माताजी के उपासक' (भोपाजी) थे और उनकी मृत्यु स्वाभाविक रूप से हुई थी। समाज की सहमति से धार्मिक परंपरा के अनुसार उनका अंतिम संस्कार कुएं पर समाधि देकर किया गया था। इसी प्रक्रिया को आधार बनाकर संदेह उत्पन्न किया गया और बाद में इसे हत्या का रूप देने का प्रयास किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपखंड मजिस्ट्रेट ने शव को समाधि से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम कराने के आदेश दिए। मेडिकल बोर्ड द्वारा विस्तृत जांच के साथ एफएसएल रिपोर्ट भी मंगवाई गई। जांच रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि दीपाराम की मृत्यु किसी प्रकार की हिंसा या बाहरी चोट से नहीं, बल्कि सामान्य और स्वाभाविक कारणों से हुई थी। जांच के बाद भंवरलाल कुमावत पर लगे सभी आरोप निराधार साबित हुए हैं, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि यह मामला उन्हें और उनके परिवार को बदनाम करने के उद्देश्य से रचा गया था, जिससे उन्हें मानसिक और सामाजिक रूप से काफी पीड़ा झेलनी पड़ी। मामले के खुलासे के बाद क्षेत्र में झूठे आरोप लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठने लगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि भविष्य में किसी निर्दोष व्यक्ति को झूठे आरोपों में न फंसाया जा सके।

सांडेराव-दुजाना बाइपास पर तीन हादसों के बाद भी व्यवस्था ठप, सुरक्षा इंतजाम नदारद

अधूरा निर्माण, न संकेतक बोर्ड न रोशनी; प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

लोगों ने दी आंदोलन की चेतावनी

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर (पाली)। सांडेराव-दुजाना बाइपास पर लगातार हो रहे हादसों ने प्रशासनिक लापरवाही की गंभीर तस्वीर उजागर कर दी है। जालोर-बाड़मेर सहित कई जिलों को जोड़ने वाला यह महत्वपूर्ण मार्ग अधूरे निर्माण और अव्यवस्थाओं के कारण अब आमजन के लिए खतरा बन गया है। चिंताजनक बात यह है कि तीन बड़े हादसों के बावजूद जिम्मेदार विभाग अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाए हैं। फोरलेन हाइवे की पुलिया से नीचे उतरते ही बाइपास पर सुरक्षा के नाम पर कोई व्यवस्था नजर नहीं आती। मार्ग पर न दिशा-सूचक बोर्ड लगाए गए हैं और न ही खतरनाक मोड़ों पर चेतावनी संकेत। बाहरी वाहन चालक, जिन्हें मार्ग की जानकारी नहीं होती, अचानक आने वाले मोड़ों के कारण नियंत्रण खो बैठते हैं और हादसे का शिकार हो जाते हैं। रात के समय हालात और भी बदतर हो जाते हैं। पूरे बाइपास पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होने से अंधेरा छाया रहता है, जिससे तेज रफ्तार वाहनों को आगे का रास्ता स्पष्ट नहीं दिखता। इससे दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो निर्माण कार्य पूरा किया जा रहा है और न ही अस्थायी सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। लगातार हादसों के बावजूद प्रशासन की निष्क्रियता से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है कि बाइपास के अधूरे निर्माण को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। साथ ही खतरनाक स्थानों पर रिफ्लेक्टर, साइनबोर्ड और चेतावनी संकेत लगाए जाएं तथा रात के समय पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही ठोस कदम नहीं उठाए गए तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। अब देखना यह है कि प्रशासन समय रहते इस गंभीर समस्या का समाधान करता है या किसी बड़े हादसे के बाद ही जागता है।

बंगाल-असम में भाजपा की जीत पर सुमेरपुर में जश्न, पटाखों की गूंज से गूंजा शहर

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(पाली)। पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद सुमेरपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार जश्न मनाया। पूर्व जिला अध्यक्ष करण राजपुरोहित के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर और एक-दूसरे का मुंह मीठा कर जीत की खुशी साझा की। कार्यक्रम भाजपा नगर मंडल के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान शहर का माहौल देर तक देशभक्ति के नारों और उत्साह से सराबोर रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष करण सिंह नेतरा ने कहा कि यह जीत केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और संगठन की मजबूत कार्यशैली का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों पर जनता का भरोसा लगातार बढ़ रहा है, जिसका असर चुनाव परिणामों में साफ दिखाई दे रहा है। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों के साथ जीत का जश्न मनाया। कार्यक्रम में नगर मंडल अध्यक्ष सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। संगठन को और मजबूत करने का संकल्प कार्यकर्ताओं ने इस अवसर पर संगठन को और मजबूत करने तथा आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन का संकल्प लिया।

सुमेरपुर में 16 मई से जनगणना का आगाज, 'सेल्फ एन्यूमरेशन' से खुद भरें अपना डेटा

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(पाली)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत सुमेरपुर नगर पालिका क्षेत्र में 16 मई से 14 जून तक मकान सूचीकरण एवं भवन गणना का अभियान शुरू होगा। इसे लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं और आमजन को 'सेल्फ एन्यूमरेशन' के माध्यम से खुद अपनी जानकारी दर्ज करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। नगर पालिका सभागार में जनगणना सुपरवाइजरों व प्रगणकों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण जारी है। दूसरे दिन अधिकारियों ने जनगणना प्रक्रिया की बारीकियां समझाते हुए बताया कि 1 मई से 15 मई तक नागरिक स्वयं पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी भर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन कर ओटीपी के माध्यम से सत्यापन करना होगा और पूछे गए सभी सवालों के सही जवाब दर्ज करने होंगे। प्रक्रिया पूरी होने पर प्राप्त होने वाली स्ध ह्ष्ठ को सुरक्षित रखना जरूरी होगा, क्योंकि यही जानकारी बाद में प्रमाणित मानी जाएगी। नगर पालिका की ओर से शहर के प्रमुख चौराहों पर होर्डिंग्स लगाकर, जनजागरण अभियान चलाकर और घर-घर संपर्क के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। पालिका कर्मी वार्ड स्तर पर पहुंचकर भी आमजन को इस प्रक्रिया से जोड़ रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वयं अपनी गणना कर सकें। प्रशासन का कहना है कि इस बार तकनीक के उपयोग से जनगणना प्रक्रिया को अधिक सरल, तेज और पारदर्शी बनाया गया है, जिससे आमजन की भागीदारी बढ़ेगी और सटीक आंकड़े जुटाने में मदद मिलेगी।

बैंकों के बाहर सड़क बनी पार्किंग, धौलपुर बाजार में रोज लगता जाम

पार्किंग व्यवस्था के अभाव में उपभोक्ता सड़क पर खड़े कर रहे वाहन, ट्रैफिक पुलिस की निष्क्रियता पर उठे सवाल

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। शहर के मुख्य बाजार क्षेत्र में संचालित बैंकों के बाहर पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से रोजाना ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हो रही है। आधा दर्जन से अधिक बैंकों के सामने ग्राहक अपने दोपहिया और चारपहिया वाहन सड़क पर ही खड़े कर देते हैं, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है और आमजन को परेशानी झेलनी पड़ रही है। मुख्य बाजार के व्यस्ततम मार्ग पर स्थित एसबीआई शाखा के सामने हालात सबसे अधिक खराब रहते हैं। यहां रोजाना करीब एक हजार ग्राहक लेनदेन के लिए आते हैं। सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक बैंक के बाहर एक सैकड़ा से अधिक वाहन खड़े रहते हैं, जिससे सड़क संकरी हो जाती है और जाम की स्थिति बन जाती है। इसी तरह आइसीआइसीआइ बैंक,कैनरा बैंकऔर इण्डिन ओवरसीज बैंक सहित अन्य बैंकों के सामने भी यही स्थिति बनी रहती है। ये बैंक बस स्टैंड से बाजार जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित हैं, जहां पूरे दिन भारी आवाजाही रहती है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले उपभोक्ताओं की संख्या अधिक होने के कारण बैंक के बाहर वाहनों की भीड़ और बढ़ जाती है। स्टाफ के वाहन भी सड़क पर ही खड़े रहते हैं, जिससे समस्या और गंभीर हो जाती है। इस अव्यवस्था के कारण न केवल जाम लगता है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बैंक प्रबंधन की ओर से पार्किंग व्यवस्था को लेकर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, वहीं ट्रैफिक पुलिस भी इस समस्या को लेकर उदासीन बनी हुई है। शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि बैंकों के बाहर सुव्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था की जाए और ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करवाया जाए, ताकि बाजार क्षेत्र में जाम की समस्या से राहत मिल सके।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, फुलेरा जिला जयपुर

क्रमांक :- न.पा. फु/ 2025-26 / 196 दिनांक:-22/4/26

-: आपत्ति सूचना :-

एतद् द्वारा हितबद्ध, व्यक्ति विशेष, आम खास को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्तियों ने आवासीय पट्टे हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया है।

क्र.स.	प्रार्थी का नाम	मूल पट्टा धारक का नाम	प्रस्तावित भूखण्ड	क्षेत्रफल वर्गगज	प्रयोजनार्थ
1.	श्री अजय अग्रवाल पुत्र गिरधर गोपाल	चान्दमल पुत्र गणेश राम	भूखण्ड न. 52 आर, न्यू कॉलोनी फुलेरा	280.00	लीज फ्री होल्ड आवासीय पट्टा
2.	श्री अजय अग्रवाल पुत्र गिरधर गोपाल	चान्दमल पुत्र गणेश राम	भूखण्ड न. 51 आर, न्यू कॉलोनी फुलेरा	280.00	लीज फ्री होल्ड आवासीय पट्टा

किसी भी व्यक्ति को उपरोक्तानुसार आवासीय पट्टा / ईजाजत बाबत आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मयाद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षकर्त्ता को प्रस्तुत करावे । बाद मयाद गुजरने आपत्ति मान्य नही होगी ।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
06 मई, 2026

सरदारशहर के वकीलों के समर्थन में सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय अभिभाषक संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन उपखंड अधिकारी कार्यालय में सौंपकर उपखण्ड अधिकारी सरदारशहर के रीडर द्वारा अभिभाषक संघ के अधिवक्तागण के खिलाफ लगातार अभद्र भाषा, अभद्र व्यवहार, खुलेआम रिश्वत की मांग और अधिवक्ता की बिना जानकारी के फाइलों में फेर बदल करने के आरोप लगाए हैं। ज्ञापन में बताया गया है कि उपखण्ड अधिकारी सरदारशहर और जिला कलेक्टर चूरू को ज्ञापन देने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं की जा रही हैं और रीडर के इस व्यवहार के विरोध में 23 फरवरी से लगातार उपखण्ड न्यायालय का बहिष्कार व 27 फरवरी से अनिश्चितकालीन धरना सरदारशहर में चल रहा है। इसलिए इस मामले में रीडर के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही अति शीघ्र की जाए। अन्यथा अभिभाषक संघ सुजानगढ़ को भी अभिभाषक संघ सरदारशहर के समर्थन में आन्दोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। ज्ञापन सौंपते वक्त अध्यक्ष सूरजमल यादव, एडवोकेट निरंजन सोनी, करणीदान चारण, रजनीकांत सोनी, सलीम खान गाजी, प्रदीप कठातला, हनुमान प्रजापत, पवन सोनी, धाराचंद स्वामी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

बंगाल में राजेंद्र राठौड़ के नेतृत्व में मिली जीत चूरू की जीत

चूरू न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं ने बंगाल जीत की खुशी मनाई

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। चूरू जिला न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं ने बंगाल में जीत की खुशियां मनाते हुए मिठाइयां बांटी। बंगाल में भवानीपुर विधानसभा सीट पर चूरू के ही राजेंद्र राठौड़ प्रभारी थे, जहां मुख्यमत्री पद के दावेदारों में सीधा मुकाबला था। राजेंद्र राठौड़ के चूरू से संबंध होने तथा अधिवक्ता होने के कारण उनके नेतृत्व में मिली जीत की खुशियां मनाई गई। इस जीत पर सुशील शर्मा अधिवक्ता एवं पूर्व लोक अभियोजक गोपाल प्रसाद शर्मा ने मिठाइयां बांट कर खुशी का इजहार किया। यहां पूर्व बार अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह शेखावत ने राजेंद्र राठौड़ के नेतृत्व में मिली जीत को चूरू की जीत बताते हुए सभी को शुभकामनाएं दी। बार के संरक्षक बीरबल सिंह लाम्बा, विशिष्ट लोक अभियोजक हेम सिंह शेखावत, एपीपी राजेश माटोलिया, एडवोकेट ओमप्रकाश वर्मा, एडवोकेट शिव सिंह, एडवोकेट विक्रमसिंह, एडवोकेट प्रद्युम्न सिंह, एडवोकेट गौरीशंकर प्रजापत, एडवोकेट योगेन्द्र सिंह ख्याली सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे। सभी ने जमकर खुशी मनाई।

विदेश भेजने का झांसा देकर 4 युवकों से 8.80 लाख की ठगी, एसपी से लगाई गुहार

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर चार युवकों से लाखों रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवकों ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित प्रमोद कुमार स्वामी, राजेश कुमार, दिनेश कुमार सैनी और जितेन्द्र मेघवाल ने बताया कि चूरू निवासी 63 वर्षीय शौकिन अली पुत्र इब्राहीम लीलगर ने उन्हें विदेश भेजकर रोजगार दिलाने का भरोसा दिया था। इसके लिए उसने प्रत्येक युवक से 2 लाख 20 हजार रुपए लिए। इस प्रकार कुल 8 लाख 80 हजार रुपए की राशि वसूली गई। पीड़ितों का आरोप है कि आरोपी ने अनुबंध कर रुपए तो ले लिए, लेकिन न तो उन्हें विदेश भेजा और न ही अब तक पैसे वापस लौटाए। उन्होंने बताया कि कई बार संपर्क करने पर आरोपी टालमटोल करता रहा और अब साफ तौर पर मुकर गया है। युवकों ने बताया कि उन्होंने यह राशि ब्याज पर उधार लेकर दी थी, जिससे अब आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ितों ने पुलिस प्रशासन से आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने और उनकी रकम वापस दिलाने की मांग की है। मामले को लेकर अब पुलिस की कार्रवाई पर नजरें टिकी हैं कि कब तक आरोपी को गिरफ्तार कर पीड़ितों को राहत दिलाई जाती है।

सबका साथ, सबका विकास का नारा अब देश के कोने - कोने में हकीकत बन चुका है : मनीष कुमावत

जयपुर टाइम्स

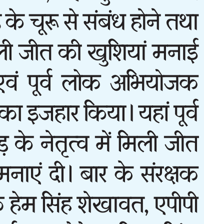

मण्डावा(निस)। नरेन्द्र मोदी विचार मंच के संयोजक मनीष कुमावत ने बंगाल के उन समर्पित कार्यकर्ताओं को सादर नमन किया जिन्होंने टीएमटी के दमनकारी शासन के विरूद्ध अदम्य साहस दिखाया। मनीष कुमावत ने मंगलवार को जारी वक्तव्य में कहा कि जनता ने नकारात्मक राजनीति और तुष्टिकरण को पूरी तरह नकार दिया है और पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प पर अपनी मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास का नारा अब देश के कोने - कोने में हकीकत बन चुका है। उन्होंने कहा कि प0 बंगाल विधान सभा चुनाव में एसआईआर भाजपा के लिए मददगार साबित हुई। लेकिन केरल ओर तमिलनाडु में मददगार साबित नहीं हुई।बल्कि ममता दीदी के गुंडाराज ओर कुशासन, महिलाओं पर अत्याचार से जनता त्रस्त आ चुकी थी। टीएमसी के राज में हुई शिक्षक भर्ती घोटाला में योग्य अभ्यर्थियों की जगह बड़े लोगों के जानकारों को पैसों के बल पर लगाया तथा शारदा चिटफंड घोटाला भी एक कारण है। इस प्रकार जनता ने भयमुक्त होकर भाजपा के पक्ष में मतदान किया।ओर भाजपा की प्रचण्ड जीत हुई। अब बंगाल भयमुक्त हो गया।

विधान मंडलों की समितियों को सशक्त बनाने पर जयपुर में मंथन, एकरूपता पर जोर

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक; जून में रिपोर्ट पेश होने की संभावना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। देश के विभिन्न राज्यों के विधान मंडलों की समिति प्रणाली को अधिक प्रभावी और सशक्त बनाने के उद्देश्य से गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक मंगलवार को जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित हुई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर बनी इस समिति में सात राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष शामिल हैं, जिन्होंने समिति प्रणाली में सुधार को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। समिति की अध्यक्षता मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने की। बैठक में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पथानिया ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष सुरामा पांडे और सिक्किम विधानसभा अध्यक्ष मिंगमा नोरबू शेरपा ने भाग लिया। पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष बैठक में शामिल नहीं हुए। बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अतिथियों का पारंपरिक दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया और ऊंट की धातु प्रतिकृति भेंट की। इस दौरान सारंगी वादन, कच्छी घोड़ी नृत्य और कठपुतली कला प्रदर्शन ने अतिथियों को राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया। बैठक के बाद देवनानी ने बताया कि समितियों को अधिक प्रभावी बनाने, विधायकों की भागीदारी बढ़ाने और सभी राज्यों में समिति प्रणाली की कार्यप्रणाली में एकरूपता लाने पर गहन चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि समितियां सदन का लघु रूप होती हैं और उनकी मजबूती लोकतांत्रिक व्यवस्था को और सशक्त बनाती है। बैठक में यह भी तय किया गया कि समिति द्वारा तैयार की जा रही रिपोर्ट जून माह में लोकसभा अध्यक्ष को सौंपी जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले एक और बैठक आयोजित की जा सकती है। देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र में विधान मंडलों की समितियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये समितियां न केवल आमजन से जुड़े मुद्दों को उठाने में सहायक होती हैं, बल्कि संसदीय शोध और नीतिगत सुधारों में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

सरदारशहर में दर्दनाक हादसाः खेत की डिग्गी में डूबने से तीन बच्चों की मौत

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील क्षेत्र के रामसीसर भेडवालिया गांव में सोमवार को एक हृदयविदारक हादसा सामने आया, जहां खेत में बनी पानी की डिग्गी में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार गांव की रोही में स्थित खेत में बनी डिग्गी में नहाने के लिए गए तीनों बच्चे पानी अधिक होने के कारण डूब गए। मृतकों में रामनिवास जाट की 15 वर्षीय पुत्री यशोदा, पड़ोसी सांवरमल जाट का 13 वर्षीय पुत्र आशीष और 11 वर्षीय पुत्री प्रांजल शामिल हैं। परिजनों ने बताया कि दोपहर करीब 3 बजे सभी लोग खेत में बनी ढाणी में आराम कर रहे थे। इसी दौरान बच्चे खेलते-खेलते डिग्गी तक पहुंच गए और नहाने के लिए उसमें उतर गए। जब काफी देर तक बच्चे नजर नहीं आए तो परिजनों ने तलाश शुरू की। जांच करने पर तीनों बच्चे डिग्गी में डूबे हुए मिले। परिजन तुरंत बच्चों को बाहर निकालकर सरदारशहर के राजकीय उपजिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम की

कार्रवाई कर शव सुपुर्द कर दिए। मामले में एसआई ओमप्रकाश यादव ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। घटना की जानकारी मिलते ही सरदारशहर डीएसपी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। हादसे के बाद गांव में गमगीन माहौल है। ग्रामीण परिजनों को ढांढस बंधा रहे हैं, वहीं मासूम बच्चों की असमय मौत से हर कोई स्तब्ध है।

रतनगढ़ में पेयजल संकट गहराया, मटमैला पानी आने के बाद आपूर्ति भी ठप

बूस्टर खराब होने से वार्ड 36, 40 व 41 के सैकड़ों घर प्रभावित, गर्मी में लोगों की बढ़ी परेशानी

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के बीच शहर में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। शहर के विभिन्न इलाकों में पानी की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर वार्ड संख्या 40 में सोमवार शाम को करीब 10 घरों में मटमैला पानी आने से लोगों में रोष व्याप्त हो गया। स्थिति और गंभीर तब हो गई जब मंगलवार को उक्त क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप रही। जानकारी के अनुसार बापू नगर स्थित कूप से वार्ड संख्या 36, 40 और 41 के सैकड़ों घरों में पानी की सप्लाई होती है। लेकिन मंगलवार सुबह बूस्टर खराब हो जाने के कारण जलापूर्ति बाधित हो गई, जिससे लोगों को दिनभर पानी के लिए भटकना पड़ा। स्थानीय निवासियों ने बताया कि एक तरफ मटमैला पानी आने से स्वास्थ्य पर खतरा बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर नियमित आपूर्ति नहीं होने से दैनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। लोगों को मजबूरन निजी टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ रहा है, जिससे अतिरिक्त

आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से जल्द समस्या का समाधान करने और जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि गर्मी के इस मौसम में पेयजल की ऐसी स्थिति बेहद चिंताजनक है और यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

जयपुर में पेट्रोल पंपों पर बड़ी कार्रवाईः कम नाप-तौल पर तीन नोज़ल सीज, 67 हजार जुर्माना

औचक निरीक्षण में 5 लीटर पर 25 से 40 मिलीलीटर तक कम ईंधन मिला; उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए सख्ती

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। उपभोक्ता हितों की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार सख्त नजर आ रही है। उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश पर जयपुर जिले में पेट्रोल पंपों के खिलाफ व्यापक औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान तीन पेट्रोल पंपों पर गड़बड़ी मिलने पर उनके नोज़ल सीज किए गए और कुल 67 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 और राजस्थान विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियम, 2011 के तहत गठित तीन जांच दलों ने अजमेर रोड, सीकर रोड और दिल्ली रोड स्थित कुल 15 पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। जांच में उपभोक्ताओं को कम पेट्रोल-डीजल देने की शिकायतें सही पाई गईं। निरीक्षण में नींदड़ (हरमाड़ा, आमेर) स्थित विनायक इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर प्रति 5 लीटर में 25 से 30 मिलीलीटर तक कम ईंधन दिया जाना सामने आया। यहां प्रतिदिन लगभग 8000 लीटर डीजल की बिक्री के आधार पर करीब 45 लीटर प्रतिदिन और करीब 1350 लीटर मासिक कम आपूर्ति दर्ज की गई, जिसकी कीमत एक लाख रुपए से अधिक आंकी गई। इसी तरह शाहपुरा के पुराना दिल्ली रोड स्थित झंडी प्रसाद परमेश्वर लाल पेट्रोल पंप पर भी प्रति 5 लीटर में करीब 30 मिलीलीटर की कमी पाई गई। यहां प्रतिदिन 4500 लीटर बिक्री के आधार पर लगभग 27 लीटर प्रतिदिन और करीब 810 लीटर मासिक कमी दर्ज की गई, जिसकी कीमत करीब 70 हजार रुपए बताई गई बगरू रीको औद्योगिक क्षेत्र स्थित महेंद्र शर्मा एंड कंपनी पेट्रोल पंप पर भी एक नोज़ल से प्रति 5 लीटर में लगभग 40 मिलीलीटर पेट्रोल कम दिया जा रहा था। यहां प्रतिदिन 5000 लीटर खपत के आधार पर करीब 40 लीटर प्रतिदिन और 1200 लीटर मासिक कमी सामने आई, जिसकी कीमत एक लाख रुपए से अधिक है। इसके अलावा दिल्ली रोड स्थित हाईवे सर्विस स्टेशन, आमेर पर भी नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर सुधार नोटिस जारी किया गया। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पूरे प्रदेश में इस तरह के औचक निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेंगे और दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सही माप-तौल और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित कराना है।

टीचर गायब, छात्राएं बेहालः गुस्साए ग्रामीणों ने स्कूल पर जड़ा ताला

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड क्षेत्र के शिमला गांव स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को शिक्षकों की लापरवाही पर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। सुबह 8:30 बजे तक विद्यालय में एक भी शिक्षक नहीं पहुंचने पर छात्राएं परिसर में इधर-उधर भटकती रहीं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने स्थिति देख आक्रोशित होकर स्कूल के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में पिछले लंबे समय से शिक्षकों की मनमानी चल रही है। राजपाल स्वामी के अनुसार कई शिक्षक समय पर नहीं आते और बिना सूचना के अनुपस्थित रहते हैं, जिससे छात्राओं की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

210 छात्राएं, लेकिन शिक्षक नहीं:

ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय में करीब 210 छात्राओं का नामांकन है, लेकिन आठ शिक्षकों में से प्रतिदिन केवल एक-दो ही उपस्थित रहते हैं। आरोप है कि विद्यालय की प्रधानाचार्य भी अधिकतर अनुपस्थित रहती हैं, जिससे अन्य शिक्षक भी लापरवाही बरत रहे हैं।

सीबीईओ पहुंचे, सामने आईं खामियां:

स्कूल में तालाबंदी की सूचना मिलते ही सीबीईओ सुभाष सोनगरा मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं। उन्होंने बताया कि लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और जवाब मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी शिक्षकों को समय पर विद्यालय पहुंचने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा और पुनः तालाबंदी की जाएगी। इस दौरान ग्राम पंचायत प्रशासक अजीज खान, राजपाल स्वामी, लीलाधर स्वामी, जयप्रकाश स्वामी, हनुमान राम शर्मा, नौरंगलाल, लियाकत खान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सुजानगढ़ में कांग्रेस नेताओं का धरनाः मांगें पूरी होने तक आंदोलन का ऐलान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(निस)। नगरपरिषद कार्यालय के बाहर कांग्रेस नेताओं का धरना मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। विभिन्न मांगों को लेकर नेहरू पार्क में शुरू हुए इस धरने में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया तथा नारेबाजी कर विरोध दर्ज कराया। धरने के माध्यम से नेहरू पार्क में बीआर आंबेडकर, कन्हैयालाल सेठिया तथा स्वतंत्रता सेनानी व कवि पं. गिरीशचंद्र मिश्र की प्रतिमाएं स्थापित करने की मांग की गई। इसके साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने और ट्रैक्टर टेंडर समय पर जारी कर आमजन को राहत देने की भी मांग उठाई गई। धरने में अजय ढेनवल, सिराज खान कायमखानी, साबिर अली चौहान, एडवोकेट बनवारीलाल बिजारणिया, एडवोकेट गंगाधर मूंड, कॉमरेड रामनारायण रूलाणिया, किसान सभा अध्यक्ष तेजपाल

गोदारा, जगदेव बेड़ा, एडवोकेट रामकुमार मेघवाल, मुकेश गोयल, बंटी लाखन सहित अनेक लोग शामिल हुए। धरनार्थी अजय ढेनवल ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि मांगों के समर्थन में एडीएम कार्यालय पर ज्ञापन भी सौंपा गया है। धरने के चलते नगरपरिषद प्रशासन पर दबाव बढ़ता जा रहा है। अब देखना यह है कि प्रशासन इन मांगों पर कब तक निर्णय लेता है।

तुष्टिकरण और हिंसा के खिलाफ बलिदान की जीतः सज्जन शर्मा

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। आरएसएस संघनिष्ठ व भाजपा नेता सज्जनलाल शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मिली यह जीत उन कार्यकर्ताओं के त्याग और बलिदान को समर्पित है , जिन्होंने वर्षों तक वहां भ्रष्टाचार और राजनीतिक हिंसा का सामना किया है। शर्मा ने मंगलवार को मीडिया की ओर से पूछे गए सवाल क्या बंगाल में एसआईआर मददगार साबित हुई है, इसके जबाव में अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि स्ढ्ढ्र प्रक्रिया एक कानूनी प्रक्रिया है, इससे भाजपा को लाभ होने की अपेक्षा सम्पूर्ण भारत देश को लाभ हुआ है। इस प्रक्रिया के कारण से विदेशी घुसपैठियों की पहचान कर उनको वापस उनके देश भेज कर देश पर पड़ने वाले अनावश्यक बोझ को कम किया जाकर देश के संसाधनों का अधिकतम लाभ देश के नागरिकों को मिले। इस भावना से प्रकिया शुरू की गई। इससे सीधे तौर पर भाजपा को कोई लाभ मिला हो इसके बजाय यह कहना ज्यादा ठीक होगा कि इससे पूरे देश को लाभ हुआ है। सम्पूर्ण देश के हितों को ध्यान में रखते हुए ही भाजपा ने देश में स्ढ्ढ्र लागू करने की प्रक्रिया शुरू की, हो सकता है इस कारण से राष्ट्र भक्ति से ओतप्रोत भाजपा को भी इसके कारण मदद मिली हो।

सहकारिता से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्थाः मंत्री गौतम दक

राइसेम में प्रशिक्षु अधिकारियों को दिया मार्गदर्शन, पारदर्शिता व फील्ड विजिट पर जोर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। सहकारिता व नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने मंगलवार को जयपुर स्थित राजस्थान सहकारी शिक्षा व प्रबंध संस्थान (राइसेम) में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे राज्य सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

मंत्री दक ने कहा कि सहकारिता आंदोलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसके जरिए समाज के अंतिम व्यक्ति तक आर्थिक सशक्तीकरण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक तकनीक और नवाचारों से मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही को अपने कार्य का आधार बनाने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि प्रशिक्षण अवधि उनके व्यक्तित्व और कार्यशैली के विकास का महत्वपूर्ण चरण है, जिसमें सीखे गए अनुभव पूरे सेवा जीवन में उपयोगी साबित होंगे। मंत्री ने अधिकारियों को नियमित फील्ड विजिट करने और लाभार्थियों से फीडबैक लेकर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कागजी प्रगति और जमीनी हकीकत के बीच अंतर को समझना ही एक सक्षम प्रशासक की पहचान है। उन्होंने सहकारिता, उद्योग, जेल व श्रम जैसे क्षेत्रों में कार्य करते समय टीम भावना और नवाचार को अपनाने पर जोर दिया। साथ ही प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के कंप्यूटरीकरण, डिजिटल सेवाओं के विस्तार और अन्न भंडारण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का उल्लेख किया। इस अवसर पर राइसेम के निदेशक संजय कुमार पाठक ने संस्थान की गतिविधियों और प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी। कार्यक्रम में अतिरिक्त निदेशक कृति शर्मा, संकाय सदस्य और विभिन्न सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में मंत्री दक के संस्थान पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया। उन्होंने सभी नवनियुक्त अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।